● वर्ष-3
● अंक-34
रायपुर, रविवार
17 सितंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› भगवान गणेश क्यों वंदनीय हैं?

कांग्रेस कार्य समिति में 3 प्रस्ताव पास

महंगाई और बेरोजगारी को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार को घेरा

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब भी कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछती है, तो सरकार नए नारे दे देती है। खड़गे ने शनिवार को हैदराबाद में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि जब भी विपक्षी दल इन बुनियादी मुद्दों को उठाते हैं तो सरकार जवाब देने के बजाय नए हथकंडे अपनाती है और नए नारे देती है। आत्मनिर्भर भारत, 5 ट्रिलियन इकोनॉमी, न्यू इंडिया 2022 और अमृतकाल जैसे नारे दिए गए। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी पार्टी के नेताओं से लोगों को यह समझाने को भी कहा कि ऐसे नारों से देश में प्रगति नहीं होगी।

खड़गे ने कहा कि आजकल सरकार %तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था% का सपना बेच रही है। नारों से देश आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हमें जनता को समझाना होगा कि ये विफलताओं को छिपाने के नारे हैं। सरकार सोचती है कि वह आयोजनों और विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करके हिमालय जैसी विफलताओं को छिपा लेगी। 20 अगस्त को पुनर्गठन के बाद सीडब्ल्यूसी की पहली बैठक में, खड़गे ने कई ज्वलंत मुद्दों को सूचीबद्ध किया, जाति जनगणना की मांग की और पार्टी को उसकी तत्काल चुनौती - आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की याद दिलाई। वहीं, खड़गे ने जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर बीजेपी के अतिउत्साह पर भी सवाल उठाया और कहा, %हम सब देख रहे हैं कि जी20 के आयोजन के बाद सरकार किस तरह अपनी ही तारीफ में मशगूल है। दिल्ली में बारी-बारी से होने वाली जी20 बैठक पर 4,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए और अब ब्राजील को बारी-बारी से जी20 का नेतृत्व मिल गया है।

3 प्रस्ताव हुए पास

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी में 3 प्रस्ताव पारित हुए हैं। पहला, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के देहांत पर शोक प्रस्ताव है, दूसरा मणिपुर पर शोक प्रस्ताव और तीसरा शोक प्रस्ताव हिमाचल प्रदेश की आपदा पर है। इस प्रस्ताव में यह भी मांग की गई है कि हिमाचल की आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए, ताकि सरकार से जो सहायता मिलनी है वह पर्याप्त मात्रा में मिले। कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति एक ड्राफ्ट प्रस्ताव पर विचार-विमर्श कर रही है। विचार-विमर्श अभी भी चल रहा है... हम देश की स्थिति पर चर्चा कर रहे हैं। देश के सामने आने वाले आर्थिक संकट और आंतरिक और बाहरी सुरक्षा खतरों में विभाजित किया जा सकता है जो देश के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव संविधान पर हमला है। हम इसे अस्वीकार करते हैं। यह संघवाद पर हमला है। इसके लिए, कम से कम पाँच संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि भाजपा जानती है कि उसके पास इन संवैधानिक संशोधनों को पारित करने के लिए पर्याप्त संख्याबल नहीं है।

कर्नाटक में उठी तीन और उप-मुख्यमंत्री बनाने की मांग

बंगलुरू। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग उठ रही है। दरअसल सरकार में सहकारी मंत्री के एन राजन्ना ने शनिवार को तीन और उप-मुख्यमंत्री बनाने का विचार दिया है। उन्होंने ये भी कहा कि वह इस मुद्दे पर पार्टी आलाकमान से बात करेंगे। राजन्ना ने कहा कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए वीरशैव-लिंगायत, एससी/एसटी और अल्पसंख्यक वर्ग से भी एक-एक नेता को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। फिलहाल कर्नाटक में सिद्धारमैया की सरकार में डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं। साथ ही वह कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। राजन्ना ने कहा कि %लोकसभा चुनाव सिर पर हैं और सभी पार्टियां चुनाव की तैयारी कर रही हैं। हम चाहते हैं कि कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीते और हमें विश्वास है कि हम जीतेंगे। ऐसे में एससी/एसटी वर्ग के नेता को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। दूसरा अल्पसंख्यक वर्ग से और तीसरा उपमुख्यमंत्री वीरशैव-लिंगायत समुदाय से बनाया जाना चाहिए, जिससे इन वर्गों का समर्थन कांग्रेस को मिल सकें।% राजन्ना ने कहा कि वीरशैव लिंगायत समुदाय पार्टी से दूर चला गया था लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि इस वर्ग का समर्थन फिर से कांग्रेस को मिला है। बता दें कि राजन्ना खुद एसटी वर्ग से आते हैं। हालांकि जब उनसे सवाल किया गया कि क्या वह उपमुख्यमंत्री बनेंगे तो उन्होंने इनकार कर दिया।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समिति की पहली बैठक 23 सितंबर को

नईदिल्ली। एक राष्ट्र, एक चुनाव% समिति की पहली बैठक 23 सितंबर (शनिवार) को होगी। पूर्व राष्ट्रपति और समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा, पहली बैठक 23 सितंबर 2023 को होगी। %एक राष्ट्र, एक चुनाव% की घोषणा 31 अगस्त को की गई थी। कई राजनीतिक दल, राजनेता और चुनाव विशेषज्ञ तब से संसद के विशेष सत्र को बुलाने के एजेंडे की भविष्यवाणी और अनुमान लगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच सरकार ने 1 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए एक समिति का गठन किया। इस सिलसिले में बीजेपी प्रमुख जेपी नड्डा ने भी पहले पूर्व राष्ट्रपति से उनके आवास पर मुलाकात की थी।

चूंकि %एक राष्ट्र एक चुनाव% पर एक समिति का गठन किया गया है, इससे यह अटकलें और तेज हो गई हैं कि इस विधेयक को पेश करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। 2014 में सत्ता में आने के बाद से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ चुनाव के विचार के प्रबल समर्थक रहे हैं, जिसमें स्थानीय निकायों के चुनाव भी शामिल हैं, उन्होंने लगभग निरंतर चुनाव चक्र के कारण होने वाले वित्तीय बोझ और मतदान अवधि के दौरान विकास कार्यों को झटका लगने का हवाला दिया है। रामनाथ कोविंद ने भी मोदी के विचार को दोहराया था और 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद इस विचार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था।

कमेटी में ये लोग शामिल

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अब इसके अन्य सदस्यों की भी घोषणा कर दी गई है। कमेटी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को जगह दी गई है। इसके अलावा पूर्व राज्यसभा एलओपी गुलाम नबी आज़ाद और अन्य को समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। इनमें एनके सिंह, सुभाष कश्यप, हरिश साल्वे और संजय कोठारी हैं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि हर वर्ष देश में कहीं न कहीं चुनाव होता है। इससे विकास में बाधा आती है, अधिक खर्च भी होता है। इसी के चलते %एक राष्ट्र, एक चुनाव की बात सामने आई होगी...कमेटी बनी है वो अध्ययन करेगी और रिपोर्ट जमा करेगी। ये अच्छी बात है।

हर मेडिकल कॉलेज में होगी अंग प्रत्यारोपण की सुविधा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के आगरा में देश में पहली बार अंगदान संकल्प कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने 23 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं और 87 ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों की आधारशिला रखी तथा सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का उद्घाटन और अंगदान रजिस्ट्री का अनावरण किया। आगरा के जीआईसी ग्राउंड में आयोजित अंगदान संकल्प कार्यक्रम को संबोधित करते हुये केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि अंगदान से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं है। जीते जी देश के नागरिकों को रक्तदान करना चाहिये और मृत्यु के उपरान्त अंगदान करना चाहिये। उन्होंने कहा कि अंगदान के माध्यम से किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद दूसरे व्यक्ति को नया जन्म मिलता है।

श्री मांडविया ने कहा कि 2024 के अंत तक देश के हर मेडिकल कालेज में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा मिल सके, इसके लिये मशीनों की खरीद, डाक्टरों की उपलब्धता और ट्रेनिंग सुनिश्चित की जायेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जो भी अस्पताल अंग प्रत्यारोपण की सुविधा अपने यहां खोलना चाहेंगे उन्हें भारत सरकार की तरफ से सवा करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अंगदान के दौरान मरीज को जीवन भर दवाईयां खानी पड़ती है कई टेस्ट कराने पड़ते हैं इसके लिये उस मरीज को केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिमाह 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जायेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अंगदान को 2 प्रतिशत से बढाकर 60 ल करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देश के 60 करोड़ लोगों को 5 लाख तक की मुफ्त इलाज की गारंटी दे रही है मोदी सरकार. उन्होंने कहा कि आयुष्मान भव' अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा चलेगा जिसमें अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाना चाहिये। श्री मांडविया ने कहा कि पहले देश के युवाओं को एमबीबीएस की पढाई के लिये विदेश जाना पड़ता था लेकिन मोदी सरकार में पिछले नौ साल में एमबीबीएस की सीटों की संख्या दो गुनी हो गयी है।पहले 54000 सीटें थे जो कि अब बढ़कर 1 लाख 7 हजार हो गयी है।

अंत में स्वास्थय मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भव अभियान का लक्ष्य सभी स्वास्थ्य योजनाओं की पर्याप्त कवरेज सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान सरकारी क्षेत्रों, नागरिक समाज संगठनों और समुदायों को एक साझा मिशन के तहत एकजुट करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी असमानता या बहिष्कार के आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों। वीडियो संदेश के माध्यम से, प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमेशा नागरिकों के स्वास्थ्य और भलाई को सर्वोच्च महत्व दिया है।

रायपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रोगी सुरक्षा गतिविधियों को सकुशल के माध्यम से लागू करने में उत्कृष्ट प्रतिबद्धता और स्व-मूल्यांकन के लिए छत्तीसगढ़ को सम्मानित किया है। विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राज्य को इसके लिए प्रोत्साहन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रोगियों की सुरक्षा के बारे में दुनिया भर में लोगों को जागरूक करने और इसके लिए समन्वय व वैश्विक समझ बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष 17 सितम्बर को विश्व स्तर पर विश्व रोगी सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में 15 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रम में रोगी सुरक्षा के लिए अच्छा काम करने वाले राज्यों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख समाचार

आजम के ठिकानें की सीबीआई के बाद अब ईडी करेगा जांच

लखनऊ। रामपुर में मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में सरकारी विभागों का पैसा लगा होने के प्रमाण मिलने के बाद आयकर विभाग जल्द प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखकर जांच शुरू करने की सिफारिश करेगा। दरअसल, निजी विवि में सरकारी धन खर्च होने की जांच आयकर एक्ट में संभव नहीं है। इसी वजह से ईडी को पत्र लिखकर सरकारी अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर अंजाम दिए गए इस भ्रष्टाचार की जांच करने का अनुरोध किया जाएगा। ईडी पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के खिलाफ तीन मामलों की जांच पहले से कर रहा है। इनमें जौहर विवि का निर्माण, जल निगम भर्ती घोटाला और रामपुर में जबरन किसानों की जांच हड़पने की जांच शामिल है। आयकर विभाग की सिफारिश पर अब सरकारी विभागों की रकम से निजी विवि में खर्च करने की जांच भी जल्द शुरू हो सकती है। वहीं, आजम खां के करीबी फसीह जैदी के आवास से मिले दस्तावेजों की पड़ताल में सामने आया है कि जौहर ट्रस्ट को मिली दान की रकम को चैरिटी के काम की बजाय आजम अपने कुनबे पर खर्च कर रहे थे।

अरबी सिखाने की आड़ में चल रही थी आतंक की पाठशाला

नईदिल्ली। दक्षिण भारत के कई राज्यों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी में आतंक की पाठशाला को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। वैश्विक आतंकी संगठन, आईएसआईएस-प्रेरित भर्ती अभियान को विफल करने के लिए जांच एजेंसी ने तमिलनाडु और तेलंगाना में 31 स्थानों पर छापेमारी की है। छापों के दौरान जो भी आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, उससे मालूम पड़ता है कि आईएसआईएस, भारत में भोले-भाले युवाओं को गुमराह कर उन्हें कट्टरपंथ के रास्ते पर लाने की कोशिश कर रहा है। युवाओं की भर्ती के लिए नए-नए तरीके खोजे जा रहे हैं। इसके लिए विभिन्न शहरों में स्टडी सेंटर खोले गए हैं। वहां पर अरबी सिखाने की आड़ में आईएसआईएस आतंकी की पाठशाला चलती है। इन पाठशालाओं में खिलाफत विचारधारा का प्रचार-प्रसार हो रहा था। बाद में इन्हीं पाठशालाओं से निकले युवा, आतंक के रास्ते पर चलते हैं। वे भारत की एकता और अखंडता को तोड़ने की कोशिश करते हैं। एनआईए के मुताबिक, आईएसआईएस के भर्ती अभियान और उसकी भावी प्लानिंग के मद्देनजर, शनिवार को तमिलनाडु व तेलंगाना में 31 स्थानों पर रेड की गई है।

डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव ने की पीएम मोदी की तारीफ

रायपुर। पीएम मोदी के मंच पर बैठने के साथ, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने हाल ही में कहा कि जब विकास कार्यों की बात आती है तो केंद्र ने कांग्रेस शासित राज्य के प्रति कोई पक्षपात नहीं किया है और आगे बढ़ते हुए, राज्य और केंद्र को मिलकर काम करना चाहिए। पीएम मोदी गुरुवार को रायगढ़ में रेल क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए चुनावी राज्य में थे। जैसे ही टीएस सिंहदेव ने केंद्र सरकार की सराहना की, पीएम मोदी ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी से मिल रही तारीफ का जवाब देते हुए हाथ जोड़ लिए। हालाँकि, यह राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया कि क्या मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके उपमुख्यमंत्री एक ही रास्ते पर नहीं हैं। उपमुख्यमंत्री ने पीएम मोदी की मौजूदगी में कहा, मुझे कहना होगा कि मैंने कभी कोई पक्षपात नहीं देखा। अगर राज्य केंद्र से कुछ चाहता था, तो सरकार ने हमेशा सहयोग किया। जैसे ही उनका बयान चुनावी राज्य में एक राजनीतिक मुद्दा बन गया और भाजपा ने कहा कि राज्य में हर कांग्रेसी को पीएम मोदी की प्रशंसा करनी होगी।

सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को किया ढेर

श्रीनगर। भारतीय सेना ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में तीन आतंकवादियों को मार गिराकर नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। चिनार कॉर्प्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मारे गए दो आतंकवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन आसपास के क्षेत्र में एक पाकिस्तानी चौकी से गोलीबारी के कारण तीसरे शव की बरामदगी में बाधा आ रही है। सेना ने कहा, ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और समूह संबद्धता का अभी तक पता नहीं चल पाया है।03 आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की, जिन्हें सतर्क सैनिकों ने घेर लिया। घुसपैठ की कोशिश और उसके बाद की मुठभेड़ बारामूला जिले में लश्कर-ए-तैयबाके आतंकी मॉड्यूल के दो आतंकवादी सहयोगियों की गिरफ्तारी और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के बाद हुई। एक पुलिस प्रवक्ता ने दोनों की पहचान मीर साहिब बारामूला के निवासी ज़ैद हसन मल्ला और स्टेडियम कॉलोनी बारामूला के मोहम्मद आरिफ चन्ना के रूप में की।

तुर्की दे रहा भारत का साथ,चीन-पाकिस्तान को लगी मिर्ची

नईदिल्ली। दिल्ली में जी20 के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान के एक बयान ने पाकिस्तान को परेशान कर दिया है। इस बयान ने चीन को भी चिंतित कर दिया होगा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद एर्दोगान का भारत के प्रति हृदय परिवर्तन हो गया। दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई जिसमें व्यापार और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने को लेकर लंबी चर्चा हुई है। ये मुलाकात जी20 सम्मेलन से अलग हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इसके बाद एर्दोगान ने जो कहा वो पाकिस्तान और चीन दोनों के लिए किसी झटके से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत जैसा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होगा तो हमें गर्व होगा। ये बड़ा बयान उस शख्स की ओर से आया जिसकी सोच भारत विरोधी मानी जाती है। जो पाकिस्तान के साथ मिलकर कश्मीर का नापाक एजेंडा चलाता है। जिसने खुलकर अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विरोध किया। जो मुस्लिम कार्ड चलकर खुद को खलीफा साबित करने की कोशिश करता रहता है।

सनातन धर्म के विरोध से विपक्षी गठबंधन का आधार ही हिल गया है

योगेंद्र योगी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म के खात्मे का बयान देकर पहले से ही आपसी आरोप-प्रत्यारोपों के झंझावातों से जूझ रही विपक्षी एकता के लिए नया संकट पैदा कर दिया है। हालत यह है कि विपक्षी दलों के लिए उदयनिधि का यह बयान उगलते बन रहा है न ही निगलते। विपक्षी दल इस मुद्दे पर साफ प्रतिक्रिया जाहिर करने के बजाए कन्नी काट रहे हैं। विपक्षी दलों को इस मुद्दे पर हिन्दू वोट बैंक के नाराज होने का खतरा है, वहीं यह जगजाहिर है कि तमिलनाडु के राजनीतिक दलों के प्रमुख मुद्दे जाति, धर्म और भाषा के रहे हैं। मौजूदा सत्तारूढ़ दल डीएमके हो या प्रमुख विपक्षी दल एआईएडीएमके, इनकी राजनीतिक नींव ही धर्म और सम्प्रदाय के विरोध के आधार पर पड़ी है। उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू के बुखार से करते हुए कहा था कि ऐसी चीजों का विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि खत्म किया जाना चाहिए।

इंडिया गठबंधन के दल अन्य मुद्दों पर कोई एकराय कायम करते, इससे पहले उदयनिधि का बयान उनके लिए मुसीबत बन गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर असहमति जताई। उन्होंने कहा कि वे उदयनिधि के बयान से सहमत नहीं हैं। सीएम ममता ने उदयनिधि को इस तरह के बयान से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मैं तमिलनाडु के लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन

उनसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि हर धर्म की अपनी अलग-अलग भावनाएं होती हैं। हमें ऐसे किसी भी मामले में शामिल नहीं होना चाहिए जिससे किसी भी वर्ग को ठेस पहुंचे। इस मुद्दे से सबसे ज्यादा फजीहत कांग्रेस की हो रही है। कांग्रेस की समझ में ही नहीं आ रहा है कि इस मामले से कैसे निपटा जाए। यदि कांग्रेस स्टालिन के बयान का विरोध करती है तो इससे विपक्षी एकता की दरार बढ़ने का खतरा है, विरोध नहीं करने की सूरत में भाजपा के तीखे हमलों से बचाव करना आसान नहीं है। जिसका असर सीधा वोट बैंक पर पड़ेगा। कांग्रेस में इस मुद्दे पर नेताओं ने अलग-अलग राय जाहिर की है। पार्टी सांसद कार्ति चिदंबरम ने डीएमके के मंत्री के बयान का पूरी तरह से समर्थन करते हुए कहा कि उदयनिधि स्टालिन ने अपने भाषण में बस इतना कहा कि जातिवादी समाज को खत्म किया जाना चाहिए। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता है या आपके साथ इंसानों जैसा व्यवहार नहीं करता है वह बीमारी के समान है। इसके विपरीत कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। सर्वधर्म सम्भाव कांग्रेस की विचारधारा है, लेकिन आपको यह समझना होगा कि हर राजनीतिक दल को अपने विचार रखने की आजादी है। हम हर किसी की आस्था का सम्मान करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री करण सिंह ने स्टालिन के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि ये पूरी तरह से अस्वीकार्य बयान है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी उदयनिधि के बयान की आलोचना करती दिखीं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म शाश्वत सत्य- जीवन जीने का तरीका- विवेक और अस्तित्व का प्रतीक है।

उधर, पहले से ही विपक्षी दलों पर घात लगाए बैठी भाजपा को मुद्दे ने विपक्षी एकता के विरोध की मशाल के लिए ईंधन मुहैया करा दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह मोदी को लेकर दिए गए विवादास्पद बयान की तरह अब स्टालिन का यह बयान भी कानून के शिकंजे में आ गया है। उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के खिलाफ उत्तर प्रदेश के रामपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

इन तमाम विरोधाभासी बयानों के बावजूद उदयनिधि स्टालिन अपने बयान पर अड़े हुए हैं। इससे देश में नया राजनीतिक विवाद जारी है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के लिए स्टालिन का यह बयान किसी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रहा है। विपक्षी दलों पर विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय के कारण वोट बैंक के ध्रुवीकरण का खतरा पहले से ही मंडरा रहा है।

10 गारंटी के साथ केजरीवाल ने मांगा एक मौका

जगदलपुर के लालबाग मैदान में केजरीवाल और भगवंत मान की हुई सभा, बाकी पार्टी की गारंटी को बताया फर्जी

जगदलपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बस्तर के जगदलपुर में सभा की। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि हमें देखकर बाकी पार्टी भी गारंटी देने लगी है, लेकिन उनकी गारंटी फर्जी है। सिर्फ आम आदमी पार्टी की गारंटी ही असली है। आदिवासियों के लिए सबसे बड़ी गारंटी दे रहा हूं, हमारी नीयत साफ है, सरकार बनने के एक महीने में पेसा कानून लागू करेंगे। जल, जंगल जमीन का पूरा अधिकार ग्राम सभा को दिया जाएगा।

वन नेशन, वन एजुकेशन होना चाहिए। गरीब के बच्चे को अमीर के बच्चे की तरह शिक्षा मिलनी चाहिए। सरकारी स्कूल शानदार होने चाहिए। सभा को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी संबोधित किया।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि जब जम्मू-कश्मीर में एनकाउंटर हो रहा था और हमारे जवान हमारे आर्मी अफसर शहीद हुए तब बीजेपी हेडक्वार्टर में जश्न मनाया जा रहा था। अब तक बीजेपी के कोई बड़े नेता ने उस पर कुछ नहीं कहा। छोटी-छोटी बातों पर वे ट्वीट करते हैं लेकिन शहादत के लिए उन्होंने कोई दुख नहीं जताया। गठबंधन पर केजरीवाल ने कहा कि विपक्ष के गठबंधन ने अपना नाम इंडिया रखा तो बीजेपी वालों ने देश का नाम बदलने का सोच लिया। हिम्मत है तो इंडिया का नाम बदल के दिखाओ। ये हिंदुस्तान हमारा है किसी के पिताजी का नहीं है।

आपको 10 गारंटी देकर जा रहा हूं,दिल्ली और पंजाब की तरह छत्तीसगढ़ में भी हर महीने हर घर को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में सभी गांव और शहरों में बिना कट लगे 24 घंटे बिजली दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर सारे पुराने बकाया घरेलू बिजली बिल माफ किए जाएंगे।

दिल्ली की तरह हर गांव और वार्ड में मोहल्ला क्लीनिक खोला जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी मौजूदा सरकारी अस्पतालों को शानदार बनाया जाएगा और नए सरकारी अस्पताल खोले जाएंगे। दिल्ली की तरह सभी दवाइयां मुफ्त दी जाएंगी। टेस्ट और ऑपरेशन मुफ्त किए जाएंगे। सभी सड़क दुर्घटना प्रभावित लोगों का राज्य में मुफ्त इलाज किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में भी भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। किसी भी सरकारी दफ्तर में काम कराने के लिए आपको दफ्तर में नहीं जाना पड़ेगा। दिल्ली की तरह एक फोन नंबर जारी करेंगे, आप उस फोन पर कॉल करके अपना काम बताएंगे। सरकारी कर्मचारी घर पहुंचकर आपका काम करके जाएगा।

हर बेरोजगार को रोजगार मुहैया करवाया जाएगा। जब तक नौकरी नहीं मिलेगी तब तक हर बेरोजगार को 3000 महीना बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। लगभग 10 लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरी में भर्ती किया जाएगा। पंजाब में 36 हजार सरकारी नौकरी निकाली गई है।18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए स्त्री सम्मान राशि दी जाएगी।पुलिस के जवान अगर सेवा के दौरान शहीद होते हैं तो उनके परिवार को 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। दिल्ली और पंजाब में मुख्यमंत्री खुद उनके घर जाकर देकर आते हैं।

सभी विभागों के संविदा, प्लेसमेंट, ठेका और अनियमित कर्मचारियों को नियमित करेंगे। संविदा और ठेका प्रथा बंद करेंगे।

दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ के सभी बुजुर्गों को उनके पसंद के किसी भी पवित्र तीर्थ स्थान पर मुफ्त यात्रा करवाई जाएगी।वहां आना-जाना, रहना, खाना सब मुफ्त होगा।

छत्तीसगढ़ के हर बच्चे को अच्छी और फ्री शिक्षा दी जाएगी। दिल्ली की तरह सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा। दिल्ली की तरह छत्तीसगढ़ में भी प्राइवेट स्कूलों में फीस को नहीं बढने् दिया जाएगा। सभी कच्चे शिक्षकों को पक्का किया जाएगा। शिक्षकों के सभी खाली पद भरे जाएंगे।

कोरिया में सरकारी जमीन को निजी बताकर बिक्री का मामला

शिकायत के बाद कलेक्टर ने जांच का दिया आश्वासन

कोरिया। कोरिया के बैकुंठपुर तहसील में पड़ने वाले ग्राम पंचायत नगर में सरकारी जमीन को निजी बताकर खरीदी-बिक्री किया जा रहा है। हाइवे से लगी 75 डिसमिल सरकारी जमीन बेचने की शिकायत कलेक्टर से हुई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि बिशुनपुर सरडी में बड़े झाड़ के जंगल मद में दर्ज भूमि को पटवारी के साथ मिलीभगत कर बेच दिया गया है।यह जमीन वर्तमान में 6 लोगों के नाम पर दर्ज है। जबकि इन 6 लोगों के पास जमीन से संबंधित किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं है।

मामले की शिकायत के बाद मिला जांच का आश्वासन- शिकायतकर्ता आसिफ रजा ने बताया कि एनएच-43 से लगे सरकारी जमीन को कुछ सरकारी अधिकारियों ने फर्जी तरीके से बेच दिया है। एक ही जमीन को कई लोगों को बेचा गया है। हालांकि किसी के भी पास सही दस्तावेज नहीं हैं। इसकी शिकायत तहसीलदार एनएस राठिया से की थी। शिकायत के बाद जांच का आश्वासन दिया गया है।

कलेक्टर, कोरिया ने कहा हमें जानकारी मिली थी कि सरकारी जमीन को खरीदी बिक्री किसी पटवारी के संदर्भ में कराई गई है। इस पर हम ज्वाइंट कलेक्टर की ओर से जांच करेंगे और जो भी सामने आएगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि जिले में इससे पहले भी इसी तरह की गड़बड़ी सामने आई थी। बिसुनपुर के आसिफ रजा ने इसकी शिकायत जनदर्शन में की है। मामले को लेकर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा है कि जनदर्शन में मामले की शिकायत मिली थी। जांच के बाद पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ से बुरा हाल, दर्जनों गांवों का टूटा संपर्क

कई इलाकों में भरा पानी, 137 गांवों में बाढ़ का खतरा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में गुरुवार व शुक्रवार को हुई बारिश के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। नदी व नाले किनारे बसें दर्जनों गांव से संपर्क टूट गया है। शनिवार को जिले में बारिश का दौर कम हुआ है। ऐसे में पुलिस व प्रशासन द्वारा रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया है। शनिवार की सुबह विभिन्न गांव से करीब 100 से अधिक लोगों का रेस्क्यू अभियान चलाकर बाहर निकाला गया। इन गांव में मोटर बोट के माध्यम से पुलिस व नगर सेना के जवान भेज जा रहे हैं।

जिले के नांदघाट से तारपोंगी रोड बंद है। बाढ़ मे फंसे 65 लोगों को ग्राम बागलेडी(साजा) से सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस चौकी मारो क्षेत्र ग्राम अमलडीहा घाट शिवनाथ नदी के ऊपर करीब सात आठ फीट पानी चल रहा है। तिलाईपार से धौराभाट-नवागढ़ रोड आज सुबह चालू हो गया है। इसी प्रकार बावनलाख-अमोरा मार्ग बंद है। नांदघाट जाने वाले रोड मे भरदा के आसपास ज्यादा पानी भर गया है। ग्राम पंचायत पंचभैया में उपस्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक भवन बाढ़ की चपेट में है। ग्राम धंनगाव से झिलगाकापा भी बंद है। अमोरा घाट पर पानी भराव होने से बेमेतरा-बेरला मार्ग बंद है। यहां पर पुलिस बल तैनात किए गए है।

कंट्रोल रूम पर सूचना दें - कलेक्टर

जिले में बाढ़ की स्थिति निर्मित होने की वजह से लोगों की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्टर पीएस एल्मा ने सभी अधिकारियों को राहत कार्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपील की है कि नदी-नालों, पुराने पुल-पुलिया आदि को पार करते समय एहतियात बरतें। इसके साथ ही बाढ़ की जानकारी मिलने पर जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 7824-222103 में सूचना दें। मौके पर राजस्व विभाग की टीम को भी भेजा जा रहा है।

जिले के 137 गांवों को खतरा

जिले के प्रमुख नदियों के किनारे करीब 137 गांव बसे हुए हैं। तहसील बेरला के 50 गांव, तहसील बेमेतरा के 32 गांव, तहसील साजा के 16 गांव, तहसील थानखम्हरिया के चार गांव और तहसील नवागढ़ के 35 गांव हैं। इस तरह से कुल 137 गांव बाढ़ में प्रभावित होने की आशंका रहती है। भारी बारिश होने से इन गांवों में शिवनाथ, सुरही, खारुन, हाफ नदी तथा डोटूनाला का पानी घुस जाता है।

विश्वकर्मा जयंती पर विजीटर्स के लिये जारी नहीं होंगे पास

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा की दृष्टि से 17 सितम्बर, 2023 को होने वाले विश्वकर्मा पूजा में संयंत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों तथा आंगतुकों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया है। अतः संयंत्र प्रबंधन ने इस संबंध में परिपत्र जारी कर विश्वकर्मा पूजा के दिन अर्थात 17 सितम्बर को किसी भी बाहरी अतिथि/पंडित/आगंतुक को संयंत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी। साथ ही आयोजकों को यह सलाह दी जाती है कि पंडित की व्यवस्था केवल भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिकों में से ही की जाये। इस प्रकार बीएसपी प्रबंधन ने परिपत्र के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि संयंत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्वकर्मा पूजा में 17 सितम्बर, 2023 को विजीटर्स पास पूर्णतः प्रतिबंधित होगा और 17 सितम्बर, 2023 को किसी भी प्रकार के विजीटर्स पास जारी नहीं किया जायेगा। अतः लोगों से अपील है कि विश्वकर्मा पूजा में व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करें। आप सभी पर भगवान विश्वकर्मा का आर्शीवाद बना रहे।

एटीएम तोड़कर बदमाशों ने चोरी किए थे 76 लाख रुपये

भिलाई। हुडको और बोरसी क्षेत्र में 27 अगस्त को देर रात अज्ञात बदमाशों ने एसबीआई की तीन एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर 76 लाख चोरी किए। जिसके बाद बदमाशों ने एटीएम मशीन को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने अलग लग टीम बनाकर दिल्ली, महाराष्ट्र और मेवात के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने हरियाणा मेवात के गिरोह के दो सदस्यों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर चोरी करना स्वीकार किया है। इस घटना को चार लोगों ने मिलकर अंजाम दिया है। पुलिस ने अभी दो आरोपियों सरफराज और नासिर को मेवात हरियाणा से पकड़ा है। पुलिस ने इनके पास 3 लाख रुपये और घटना में इस्तेमाल एक चार पहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 14 ट्रेनें रद्द,16 से 30 सितंबर रहेंगी कैंसिल

बिलासपुर। अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करने जा रहे हैं। प्रदेश से होकर गुजरने वाली ट्रेनों में सफर करने जा रहे हैं, तो ये खबर पढ़ लें। यह खबर आपके लिए है। 16 से 30 सितंबर तक छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 14 ट्रेनें रद्द रहेंगी। इससे यात्रियों की भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, उत्तर मध्य रेलवे के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन में वाशेबल अप्रोन का काम किया जाएगा। इसके कारण एसईसीआर से चलने वाली ट्रेनें कैंसिल रहेगी। अधोसंरचना विकास के लिए उत्तर मध्य रेलवे के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन में वाशेबल अप्रोन का काम किया जाएगा । यह आज 16 सितंबर से 35 दिनों तक वाशबले अप्रोन का काम चलेगा। इस काम के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली कुछ यात्री गाड़िया कैंसिल रहेगी। रद्द होने वाली ट्रेनों की सूची नीचे दी गई है।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल

दिनांक 16 18, 21, 23, 25 और 28 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 12823 दुर्ग-निज़ामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 17, 19, 22, 24, 26 और 29 सितंबर को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 12824 निज़ामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 19 और 26 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 12549 दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

दिनांक 21 और 28 सितंबर को उधमपुर से चलने वाली 12550 उधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 16 और 28 सितंबर को कोरबा से चलने वाली 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 18 और 30 सितंबर को अमृतसर से चलने वाली 18238 अमृतसर- कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 16, 18, 19, 20, 21, 23, 25, 26, 27 और 28 सितंबर को निजामुद्दीन से चलने वाली 12410 निजामुद्दीन-रायगढ़ गोडवाना एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 18, 20, 21, 22, 23, 25, 27, 28, 29 और 30 सितंबर को रायगढ़ से चलने वाली 12409 रायगढ़-निजामुद्दीन गोडवाना एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 19, 22 और 26 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 22867 दुर्ग-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 20, 23 जी 27 सितंबर को निजामुद्दीन से चलने वाली 22868 निजामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 20 एवं 27 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 20847 दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 21 एवं 28 सितंबर को उधमपुर से चलने वाली 20848 उधमपुर-दुर्ग- एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 16 से 28 सितंबर तक कोरबा से चलने वाली 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी। दिनांक 18 से 30 सितंबर तक अमृतसर से चलने वाली 18238 अमृतसर- कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

देश के 500 आकांक्षी ब्लॉक में बोड़ला भी शामिल

कबीरधाम। देश के 500 ब्लॉक को नीति आयोग दिल्ली ने अपने आकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल किया है। इस सूची में छत्तीसगढ़ के 20 ब्लॉक में कबीरधाम जिले का बोड़ला भी शामिल है। यहां 39 प्रकार के मापदंड तय किए गए, सभी कार्य पर केंद्र सरकार नजर रखेगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि आकांक्षी विकासखंड का कार्य भारत सरकार द्वारा प्राथमिकता में रखा गया है। पूरे देश में 500 विकासखंड इस योजना में शामिल हैं तथा छत्तीसगढ़ के 20 विकासखंड इसमें शामिल हैं। जिसमें कबीरधाम जिले का बोड़ला विकासखंड भी है। चयनित विकासखंड के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाते हुए अनेक पैमानों पर राज्य स्तर के औसत से अधिक वृद्धि करना ही इस योजना का मुख्य लक्ष्य है। कलेक्टर ने बीते दिनों बैठक में आकांक्षी विकासखंड बोड़ला में विभागों द्वारा कराएं जा रहे विभिन्न कार्यों एवं प्रयासों की समीक्षा की। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पिछड़े विकासखंड को नीति आयोग द्वारा निर्धारित 39 अलग-अलग पैरामीटर पर राज्य के औसत स्तर से ऊपर लाना है।

टॉपर्स बच्चे करेंगे राजधानी दिल्ली की सैर

कांकेर। कांकेर जिला प्रशासन ने इस साल शिक्षा गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए अभियान चलाया था। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने छात्रों को मोटिवेट करते हुए घोषणा की थी कि जिले के जो भी छात्र राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाएंगे, उनको वे अपने निजी खर्च से हवाई जहाज से दिल्ली भ्रमण कराएंगी। इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं के 5 छात्रों ने प्रावीण्य सूचि में स्थान बनाया. कलेक्टर ने पांचो छात्रों को दिल्ली भ्रमण कराने के लिए अपने खाते से चेक दिया। हमर लक्ष्य अभियान के तहत कलेक्टर स्वयं कक्षा 10वीं-12वीं के छात्र-छात्राओं से रूबरू हुई थीं। सभी को कड़ी मेहनत करने के लिए मोटिवेट किया था। यहीं नहीं अभियान के तहत बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर प्री-बोर्ड परीक्षाएं ली गई। प्री-बोर्ड परीक्षा में कमजोर अंक लाने वाले छात्रों का अलग बैच बनाते हुए उनके लिए नोडल शिक्षक नियुक्त किए गए थे। इसके अलावा कक्षा 12वीं के छात्रों की कॅरियर काउंसलिंग करते हुए उनको नीट व जेईई परीक्षा में भाग लेने प्रोत्साहित किया गया। निशुल्क फार्म भरवाए गए।

कांकेर में बच्चों से भरी बस में लगी आग

कांकेर। कांकेर में आश्रम के बच्चों को खेलकूद कराने रायपुर ले के जा रही एक बस में बीती रात टायर फटने से आग लग गई। बस में 17 स्कूली बच्चे सवार थे एक बड़ी घटना होने से टल गई। अन्तागढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि नारायणपुर के रामकृष्ण आश्रम के 17 बच्चे बस में सवार होकर बीती रात रायपुर जा रहे थे। तभी ताडोकी थाना क्षेत्र के तहत हवेचुर गांव के पास बस का टायर फट गया। टायर फटने से बस से धुंआ निकलने लगा और अचानक बस में आ लग गई। बच्चे आनन-फानन में बस से उतर गए सभी बच्चे सुरक्षित हैं बस पूरी तरीके से जलकर राख हो गई है। बच्चों को दूसरी बस से रायपुर भेजा गया है। गौरतलब हो कि आश्रम के बच्चे खेल प्रतियोगिता में भाग लेने नारायणपुर से रायपुर जा रहे थे तभी यह घटना हुई है।

पुलिस ने 127 किलो चांदी के जेवरात किए बरामद

दुर्ग। दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के आपापुरा इलाके में किराए के मकान में पुलिस ने छापेमारी करते हुए एक चांदी के व्यापारी के पास से 127 किलो चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने चांदी का व्यापार करने वाले आरोपी के पास से बड़ी मात्रा में चांदी के जेवरात बरामद किया गया है। बरामद चांदी की कीमत लगभग 88 लाख बताई जा रही है। पुलिस ने बिहार निवासी प्रकाश सिंह समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है। बिहार के प्रकाश सिंह के पास 127 किलो चांदी का सामान पुलिस ने बरामद किया है। जिसमें चार किलो चांदी के बिस्किट भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि वेस्ट बंगाल के सत्तू सिंह नाम के व्यापारी से माल लाकर दुर्ग में खपाया करते थे।

हाथी के हमले में एक ग्रामीण की हुई मौत

कोरबा। कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल के केंदई और पसान रेंज में हाथियों का तांडव जारी है। शुक्रवार की शाम करीब सात बजे दंतैल हाथी ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पिछले एक सप्ताह में यह चौथी घटना है जब हाथी के हमले से जनहानि हुई हो। केंदई रेंज के रिहायशी इलाके में दंतैल ने एक बुजुर्ग ग्रामीण पर हमला कर दिया। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। आपको बता दे कि कटघोरा वन मंडल इलाके में 43 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस झुंड से अलग एक दंतैल घूम रहा है जो लगातार इंसानी बस्तियों में घुसकर लोगों की जान ले रहा है। एक माह के भीतर हाथी के हमले से पांच लोगों की जान जा चुकी है। वही हाथियों ने किसानों की सैकड़ों एकड़ खेतो पर लगे धान की फसल को भी तबाह कर दिया है। ग्रामीण अपनी जान बचाने रतजगा करने को मजबूर हैं। वहीं वन विभाग के अधिकारी लाचार नजर आ रहे हैं।

रामानुजगंज में टिकट को लेकर कांग्रेस में सस्पेंस बरकरार

■ लोगों से भेंट मुलाकात कर रहे कांग्रेस दावेदार डॉ अजय तिर्की

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे टिकट के दावेदार भी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। सरगुजा संभाग में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का प्रभाव है। यहां की हाई-प्रोफाइल रामानुजगंज विधानसभा सीट से वर्तमान में कांग्रेस के बृहस्पति सिंह विधायक हैं। लेकिन कार्यकर्ताओं की अनदेखी से उभरी नाराजगी बृहस्पति सिंह को झेलनी पड़ रही है। ऐसे में अंबिकापुर के महापौर और कांग्रेस नेता डॉ अजय तिर्की ने रामानुजगंज विधानसभा सीट के लिए दावेदारी पेश की है। डॉ अजय तिर्की रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं।

अंबिकापुर के महापौर डॉ अजय तिर्की की दावेदारी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। डॉ अजय तिर्की लगातार रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में आम जनता से जनसंपर्क और भेंट मुलाकात कर रहे हैं। सूत्रों की मानें, तो अजय तिर्की को उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का अंदरूनी समर्थन मिला है। पिछले एक महीने से डॉ अजय तिर्की रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में घूम-घूमकर लोगों से भेंट मुलाकात कर रहे हैं। डॉ अजय तिर्की के समर्थक उन्हें विधायक का टिकट देने की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेसियों में बृहस्पति सिंह के खिलाफ नाराजगी

आपको बता दें, रामानुजगंज में कांग्रेस के कई दावेदार हैं। लेकिन बृहस्पति सिंह और डॉ अजय तिर्की की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही है। कार्यकर्ताओं की मानें, तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार होने के बाद भी कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं मिलता है। पार्टी के कार्यकर्ता अपने साथ हुए उपेक्षा का आरोप अक्सर कई मौकों पर लगाते रहे हैं। लंबे समय तक कांग्रेस संगठन के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें सम्मान नहीं दिया जा रहा है।

बलरामपुर की रामानुजगंज विधानसभा सीट से वर्तमान में कांग्रेस से बृहस्पति सिंह विधायक हैं। पिछले दस सालों से बृहस्पति सिंह रामानुजगंज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं ऐसे में देखना यह होगा कि कांग्रेस पार्टी रामानुजगंज विधानसभा सीट पर किसे टिकट देकर अपना उम्मीदवार बनाएगी। इस पर फिलहाल सस्पेंस बरकरार है।

एक लाख के इनामी के साथ 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान लोन वर्राटू के तहत 1 एक लाख के इनामी सहित कुल 5 नक्सली, जिसमें दो महिला नक्सली ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सभी आत्मसमर्पित नक्सली कटेकल्याण एवं इन्द्रावती एरिया कमेटी में सक्रिय थे।

आत्मसमर्पित नक्सलियों में 1 लाख के इनामी कोसरू उर्फ कोहला अलामी, निवासी परलनार थाना ओरछा जिला नारायणपुर, (कुसमेली पंचायत जनताना सरकार अध्यक्ष)। बदरू अलामी, निवासी परलनार थाना ओरछा जिला नारायणपुर, (कुसमेली पंचायत जनताना सरकार उपाध्यक्ष)। विज्जा माड़वी, निवासी ऐटेपाल टक्कोपारा थाना कुआकोण्डा जिला दन्तेवाड़ा, (जियाकोड़ता पंचायत डीएकेएमएस उपाध्यक्ष)। माड़के कवासी, निवासी जियाकोड़ता डोंगरीपारा थाना कुआकोण्डा जिला दन्तेवाड़ा, (जियाकोड़ता पंचायत केएएमएस सदस्या)। हड़मे मण्डावी, निवासी जियाकोड़ता डोंगरीपारा थाना कुआकोण्डा जिला दन्तेवाड़ा, (जियाकोड़ता पंचायत केएएमएस सदस्या) के द्वारा बंद के दौरान रोड खोदना, पेड काटना एवं नक्सली बैनर, पोस्टर एवं पाम्पलेट लगाने की घटनाओं में शामिल थे। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 164 इनामी नक्सलियों सहित कुल 644 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का वार रूम तैयार

रायपुर। कांग्रेस के वार रूम का मुख्यमंत्री

भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने उद्घाटन किया। कांग्रेस के वार रूम में अलग-अलग विशेषज्ञता वाले लोगों की टीम तैयार की गई है। इसमें बड़ी संख्या में प्रोफेशनल्स भी हैं। यहीं से प्रदेश भर में संगठन पर बूथ स्तर तक पैनी नजर के साथ, जन भावनाओं को टटोलकर रणनीति तय की जा रही है। कांग्रेस वार रूम के पदाधिकारियों ने बताया कि टीम में डाटा इंटेलिजेंस यूनिट, पालिटिकल इंटेलिजेंस यूनिट, ग्राउंड कैंपेन टीम, फील्ड मैनेजमेंट टीम, सोशल मीडिया प्रबंधन टीम, डिजिटल मीडिया एंड पब्लिकेशन टीम, मीडिया मानीटरिंग टीम, फेक न्यूज़ मानीटरनिंग सेल, बूथ मैनेजमेंट टीम, ट्रेनिंग डिपार्टमेंट, काल सेंटर, कनेक्ट सेंटर, स्टूडियो शामिल हैं। सभी 90 विधानसभा सीट पर प्रोफेशनल लोगों की फील्ड टीम बनाई गई है। कांग्रेस सरकार के संदेश को पहुंचाने के साथ ही विपक्ष की नाकामियों को हर नागरिक के मोबाइल फोन तक पहुंचाने की रणनीति यह टीम तैयार कर रही है। वार रूम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलाजी का इस्तेमाल किया जाएगा। इस टेक्नोलाजी के द्वारा मुख्यमंत्री एक ही समय में व्यक्तिगत रूप से लाखों मतदाताओं से जुड़ पाएंगे। कनेक्ट सेंटर में दिन रात 100 लोग रहेंगे, जो बूथ से सीधे जुड़े रहेंगे।

नयापारा डबरी में सामुदायिक भवन की नींव रखी कुलदीप जुनेजा ने

रायपुर। नयापारा डबरी मैदान में शुक्रवार को विधायक कुलदीप जुनेजा और नया पारा मस्जिद के मुतवल्ली मिर्जा शकील बेग, नायब मुतवल्ली जाहिद हसन, हाजी अब्दुल सलाम रिज़वी ने सामुदायिक भवन की नींव रखी। इस सामुदायिक भवन के निर्माण से समाज में होने वाले अनेक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक यहां पर संचालन संभव हो सकेगा। इस अवसर पर विधायक जुनेजा ने इस सामुदायिक भवन निर्माण के लिए मुस्लिक समाज को बधाई दी और कहा कि सामुदायिक भवन की यहां नितांत आवश्यकता थी क्योंकि आसपास के रहने वाले लोगों के लिए सामुदायिक कार्यक्रम हेतु कोई स्थान उपलब्ध नहीं था ऐसे में खुले मैदान में इसका आयोजन करना पड़ता था, इसके लिए उन्होंने सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। भूमिपूजन के अवसर पर सद्दाम सोलंकी, हाजी अकरम खान, हाजी जियाउर रहमान (जानु भाई) हाजी शमीम अहमद, जावेद नाना, सेकेट्री आजम अहमद, खजांची हाजी मो सलीम ख़ान, जॉइंट सेक्रेटरी साजिद खान, सैय्यद कमर अली (राजा भाई), नया पारा मस्जिद के ईमाम, हाजी कारी सुल्तान, फैय्याज हुसैन भारती, मो, हनीफ, नज़ीर खान, शकील अहमद नूरी, शोएब खान, तबरेज (तब्बू), नजीब खान, हाजी मोइनुद्दीन जोया, फजल खान, असफाक अहमद (मोनू) सहित मोहल्ले के बुजुर्ग और बच्चे मौजूद थे।

विश्वकर्मा जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी पीएम विश्वकर्मा योजना का करेंगे शुभारम्भ

रायपुर। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आईआईसीसी, द्वारका, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ करेंगे । यह कार्यक्रम पूरे देशभर में आयोजित किया जा रहा है । रायपुर में यह कार्यक्रम भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (ट्राईफेड), रायपुर के संयोजन में और केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरूता के मुख्य आतिथ्य में,प्रातः 10 बजे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभाकक्ष में आयोजित किया जा रहा है । इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के ग्रामोद्योग मंत्री श्री गुरू रूद्र कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा, रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील सोनी और रायपुर से विधायक बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कारीगरों और शिल्पकारों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार और उनके जीवन में गुणात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की जा रही है ।

बांस शिल्पकारों को मिला उन्नत टूल्स किट वितरित

रायपुर। संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय ने खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड केयूर भूषण स्मृति परिसर गांधी भवन रायपुर में 49 बांस शिल्पकारों को उन्नत टूल्स किट वितरण किया। इस अवसर पर श्री उपाध्याय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बांस शिल्प टूल्स वितरण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों को कृषि के साथ-साथ परंपरागत व्यवसायों की ओर रोजगार हेतु प्रेरित करना है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन अंतर्गत परंपरागत बेम्बू कार्य में लगे परिवारों को स्थानीय पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न करना है। इसी उद्देश्य को लेकर पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन का संचालन छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष श्री राजेन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की सरहाना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में परंपरागत कारीगरों के हित में बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नाम बदलने से विपक्षी गठबंधन की मंशा नहीं बदल सकती : सावंत

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बघेल सरकार पर गोवा के मुख्यमंत्री ने साधा निशाना, कांग्रेस द्वारा किए जा रहे घोटालों से पूरे देश की जनता हैरान

रायपुर। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर निशाना साधा। सावंत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन ने अपना नाम भले ही संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) से बदलकर 'इंडिया' कर लिया है, लेकिन उनकी मंशा और नीति नहीं बदल सकती है। रायपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय एकात्म परिसर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सावंत ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा कि क्या वह 'इंडिया' के एक घटक दल के नेता की ओर से की गई सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों का समर्थन करते हैं।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए गोवा के मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का 'एटीएम' बनाया गया था और अब पार्टी को कर्नाटक के रूप में दूसरा 'एटीएम' मिल गया है। सावंत ने कहा, संप्रग ने अपना नाम बदलकर 'इंडिया' कर लिया है, लेकिन सिर्फ नाम बदलने से नीयत, नीति और भ्रष्टाचार नहीं बदल सकता। इसके घटक दल के एक नेता ने हाल ही में सनातन धर्म पर हमला किया और कहा कि उसे नष्ट कर दिया

जाना चाहिए। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे अपने गठबंधन सहयोगी के उस बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें सनातन धर्म को नष्ट करने की बात कही गई है।

सावंत ने दावा किया, बघेल सरकार जनता से किए गए अपने वादों में से 10 प्रतिशत को भी पूरा करने में विफल रही है। उसे अपने शासन के पांच साल का रिपोर्ट कार्ड पेश करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि शराबबंदी के वादे को पूरा करने के बजाय कांग्रेस सरकार ने शराब की 'होम डिलीवरी' शुरू कर दी। सावंत ने कांग्रेस सरकार पर शराब, कोयला, चावल और लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी जहां भी सत्ता में आती है, भ्रष्टाचार करती है। गोवा के मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य में गरीबों के विकास और कल्याण के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने तथा (राज्य और केंद्र दोनों में भाजपा को चुनकर) 'डबल इंजन' सरकार लाने का आग्रह किया। सावंत शनिवार से चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान वह पार्टी की 'परिवर्तन यात्रा' में भी हिस्सा लेंगे।

कॅन्फ्यूज है कांग्रेस इसलिए घोषित नहीं कर पा रहे हैं प्रत्याशी : सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा में उमड़ रहे जन-सागर को देखकर कांग्रेस दहशत में आ गई है और अब वो मान चुकी है कि छत्तीसगढ़ में अब वे सत्ता में नहीं आने वाले है, उन्हें लूट करने का मौका नहीं मिलने वाला है। श्री सावंत ने कहा कि भाजपा ने जब 21 प्रत्याशियों की घोषणा की तब कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा था कि 6 सितम्बर को कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। आज 16 सितम्बर है, और अब तक कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित नहीं हुए है। यह स्पष्ट है कि कांग्रेस हार के भय से पूरी तरह कॅन्फ्यूज हो चुकी है।

गोवा के मुख्यमंत्री श्री सावंत ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किए जा रहे घोटालों से पूरे देश की जनता हैरान है। केन्द्र सरकार की राज्य को पूरी मदद मिलने के बावजूद राज्य की जनता तक कांग्रेस पैसा नहीं पहुंचने देती। अब अगर केन्द्र द्वारा भेजी जा रही सहायता जनता को चाहिए तो जरूरी हो गया है कि छत्तीसगढ़ में भी डबल इंजन की सरकार लानी होगी।

केन्द्र एवं प्रदेश, दोनों में भाजपा की सरकार होने से छत्तीसगढ़ तेज गति से विकास करेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आकांक्षा के अनुरूप यहाँ भी सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। श्री सावंत ने शनिवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का विजन रखते हुए आगामी 25 वर्षों में भारत को समृद्ध करने का लक्ष्य तय किया है। श्री सावंत ने कहा कि किसानों के इस प्रदेश में केन्द्र सरकार ने कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद 74 हजार करोड़ रुपए की राशि धान की खरीदी पर दी है एवं पिछले 5 वर्षों में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं करों की हिस्सेदारी के रूप में दी है।

श्री सावंत ने धान खरीदी और सेंट्रल पूल में लिए जा रहे चावल को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा फैलाये जा रहे झूठ पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों द्वारा उत्पादित धान का शत प्रतिशत चावल केन्द्र सरकार खरीदेगी। अब भी छत्तीसगढ़ की कुल उपज का 80 फीसदी से ज्यादा मूल्य केंद्र सरकार दे रही है। 2500 रुपए में धान खरीदी के दावे करके जिस तरह प्रदेश सरकार झूठे दावे कर रही है उसी तरह चावल खरीदी को लेकर भी कांग्रेस की सरकार झूठ बोल रही है। मोदी सरकार प्रदेश की जनता के लिए भरपूर पैसा दे रही है, लेकिन कांग्रेस की सरकार सारा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाकर गांधी परिवार की सेवा में लगा रही है।

सावंत ने कहा कि 10 लाख बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया, लेकिन चुनाव देखकर अभी शुरुआत की है और इसमें भी अपनी जटिल शर्तें थोपकर बेरोजगारों के साथ छल-कपट किया है। महिला समूहों को कर्ज माफ की बात की थी, वह पूरा न कर उनसे रेडी टू ईट का संचालन भी छीन लिया।

सीएम बताएं की छत्तीसगढ़ का कितना पैसा 10 जनपथ पहुंचाया : चंदेल

■ **कुनकुरी पहुंची परिवर्तन यात्रा**

जशपुर। जशपुर में परिवर्तन यात्रा प्रभारी नारायण चंदेल ने कुनकुरी में प्रेसवार्ता की। चंदेल ने भूपेश बघेल की सरकार पर जमकर हमला किया। कुनकुरी सीट पर टिकट फाइनल करने के सवाल पर कहा कि टिकट कमल चिन्ह को मिलेगा। इस सवाल के वक्त टिकट के दो मजबूत दावेदार विष्णुदेव साय और गोमती साय भी बगल में बैठे थे।

शुक्रवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने जशपुर से परिवर्तन यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया जो आज शनिवार को कुनकुरी विधानसभा में है।नेशनल हाइवे 43 वर्षों से अधूरा पड़ा है जिस पर सवाल के जवाब में रामविचार नेताम ने कहा कि यह राज्य का पीडब्ल्यूडी विभाग देखता है उसके अधिकारी ही ठेकेदार से काम कराते हैं। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। नेताम ने रामानुजगंज जिले में कन्हर नदी पर बने बांध से होने वाले विस्थापितों के फर्जी नाम पर 16 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप लगाया कहा कि एक ईई की इतनी हिम्मत नहीं हो सकती कि वह इतना बड़ा घोटाला कर दे। इसमें सरकार का संरक्षण है। नारायण चंदेल ने भूपेश सरकार के राज में सभी तरह के अपराध बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि महादेव एप का कनेक्शन देख लीजिए। धान की कीमत भाजपा सरकार में आएगी तो कितना करेंगे? इस सवाल पर चंदेल और रामविचार नेताम ने कहा कि घोषणापत्र का इंतजार करें। परिवर्तन यात्रा के दूसरे दिन कुनकुरी विधानसभा में आमसभा हुई। जिसमें यात्रा प्रभारी नारायण चंदेल,पूर्व गृहमंत्री रामविचार नेताम,पूर्व केंद्रीय मंत्री जुएल उराँव,राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूर्व केंद्रीय

राज्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद गोमती साय, जांजगीर सांसद गुहाराम अजगले,जिला महामंत्री भरत सिंह,उपेंद्र यादव मंच पर हैं। वहीं खेल मैदान में बड़ी संख्या में भाजपा,भाजयुमो,बजरंग दल के पदाधिकारी ,कार्यकर्ता व ग्रामीण महिला-पुरुष शामिल हैं।

भाजपा की परिवर्तन यात्रा पहुंची बालोद बुलडोजर से हुई फूलों की बारिश

बालोद। भाजपा की प्रदेश व्यापी परिवर्तन यात्रा बालोद पहुंची तो यहां पर कार्यकर्ताओं जोरदार स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने यहां आमसभा को संबोधित किया। बाइक रैली में शामिल हुए और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर के माध्यम से उनका स्वागत किया। उनके स्वागत में आधा दर्जन बुलडोजर खड़े किए गए थे, जिनसे कार्यकर्ताओं ने फूलों की बारिश की। सरदार वल्लभ भाई पटेल मैदान से केंद्रीय इस्पात मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने सरकार पर जमकर हमला बोला। वहीं, इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में नए कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

केंद्रीय इस्पात मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने परिवर्तन यात्रा में कहा कि हमारी सरकार ने पूरे छत्तीसगढ़ को संवारा पर आज भूपेश बघेल इसे बर्बाद करने में लगे हुए हैं। इन्होंने राज्य में शराब बंद करने की बात कही थी, आज पुल पुलियों में शराब बिक रही है। उन्होंने स्थानीय विधायक पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में तो घोटालों की गिनती नहीं है लोक सेवा आयोग घोटाला, सब हुआ है। अनेक तरह के घोटालों का काम यहां पर कांग्रेस सरकार ने किया है। इन्ही सब के खिलाफ भाजपा ने परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। अब जब विधानसभा के चुनाव होंगे तो आपको विकास को चुनना है सच को चुनना है और इस झूठ के सरकार को उखाड़ फेंकना है।

साव व मोरेश्वर पहुंचे बालोद मां गंगा का लिया आशीर्वाद

भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा गंगा मइया धाम आज सुबह पहुंच गई जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और केंद्रीय पंचायत राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर ने पूजा अर्चना कर छत्तीसगढ़ की खुशहाली और तरक्की के लिए प्रार्थना की मां का लिया आशीर्वाद। इस दौरान साव ने दी छत्तीसगढ़ के तीजहारिन बहनों को बधाई। डौंडीलोहारा स्वागत सभा में भाजपा अध्यक्ष साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माताओं बहनों से शराब बंदी का वादा कर मुकरने वाली कांग्रेस को माफ़ नहीं किया जा सकता। समय आ गया हैं झूठ बोलने वाले छलने और ठगने वाले कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकने का और इस लिए भाजपा परिवर्तन यात्रा में निकली हैं। रास्तेभर जनता का उत्साह और भाजपा के परिवर्तन यात्रा को आशीर्वाद मिल रहा है।केंद्रीय पंचायती राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में परिवर्तन हो के रहेगा, छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ की जनता के आशीर्वाद से बन के रहेगी।

प्रमोद दुबे की रणनीति रही सफल, रायगढ़ नगर निगम में अविश्वास प्रस्ताव ध्वस्त

रायपुर। रायगढ़ नगर निगम में भाजपा पार्षदों द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वस्त हो गया। भाजपा को मुंह की खानी पड़ी और उसके एक पार्षद ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। रायपुर नगर निगम के सभापति एवं पूर्व महापौर प्रमोद दुबे एवं बिरगांव नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा रायगढ़ नगर निगम के अविश्वास प्रस्ताव हेतु पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था। वर्तमान में रायगढ़ नगर निगम में कांग्रेस के 26 एवं भाजपा के 21 पार्षद हैं। शुक्रवार 15 सितंबर को अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होना था लेकिन भाजपा के 21 लोगों के द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में से 18 लोग ही पहुंच पाए जिसके चलते भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। इसके चलते भाजपा द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया। रायगढ़ के सभी कांग्रेस पार्षद विधायक प्रकाश नायक, वरिष्ठ नेता मलकीत सिंह गेंदू के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिलकर शहर के विकास हेतु एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। प्रमोद दुबे ने बताया कि भाजपा द्वारा लगातार विभिन्न नगरी निकायों में पार्टी के लोगों से बिना विचार विमर्श किए लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव के कारण उन्हीं के दल के लोग उनके ऊपर विश्वास करना बंद कर दिए हैं। अविश्वास प्रस्ताव पर लगातार भाजपा की हार होना इस बात का द्योतक है की भूपेश बघेल की सरकार लोगों के हित में किस प्रकार सकारात्मक भाव से कार्य कर रही है ।

विस चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे प्रभारी सचिव यादव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों होने वाले विधानासभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ ही कार्यकगर्ताओं से चर्चा करेंगे। शनिवार को सुबह 11 बजे रायपुर से अंबिकापुर, जिला सरगुजा के लिये रवाना हुए जहां सर्किट हाउस अंबिकापुर में वे रुकेंगे।

17 सितंबर रविवार को सुबह 8 बजे अंबिकापुर से रामानुजगंज जिला बलरामपुर के लिये रवाना होंगे। सुबह 10 बजे सर्किट हाउस रामानुजगंज पहुंचकर एवं विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसजनों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। दोपहर 12 बजे रामानुजगंज से राजपुर विधानसभा सामरी के लिये रवाना होंगे। दोहपर दोपहर 1.30 बजे सर्किट हाउस राजपुर में एवं सामरी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसजनों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। दोपहर 3 बजे राजपुर से लुण्ड्रा के लिये रवाना होंगे। शाम 4 बजे सर्किट हाउस लुण्ड्रा पहुंचकर एवं विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेजनों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। शाम 5.30 अंबिकापुर से सरगुजा के लिये रवाना होंगे। शाम 6 बजे सर्किट हाउस अंबिकापुर पहुंचेगे। 18 सितंबर सोमवार को सुबह 8 बजे अंबिकापुर से पत्थलगांव जिला जशपुर के लिये रवाना होंगे। सुबह 10 बजे सर्किट हाउस पत्थलगांव पहुंचकर एवं विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसजनों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। दोपहर 12 बजे पत्थलगांव से कुनकुरी के लिये रवाना होंगे। दोपहर 1.30 बजे सर्किट हाउस कुनकुरी पहुंचकर एवं विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसजनों से भेंट एवं चर्चा करेंगे। दोपहर 3 बजे कुनकुरी से जशपुर के लिये रवाना होंगे।

रायपुर जिले में राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत हितग्राहियों को जल्द पट्टे दिए जाएंगे : राजस्व मंत्री

रायपुर। राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने रायपुर जिले में राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत पट्टा वितरण के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के घोषणा के अनुरूप और निर्देशानुसार राजीव गांधी आश्रय योजना के नियम-उपनियम बनाए जा चुके है और इसका राजपत्र में प्रकाशन हो चुका है। इस योजना के तहत रायपुर जिले में हितग्राहियों को जल्द पट्टे वितरण किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत शासकीय भूमि का निःशुल्क पट्टा दिया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जाएगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम, सीएसईबी, सिंचाई विभाग और सीआईडीसी तथा अन्य विभाग उनके अंतर्गत की भूमि पर जल्द एनओसी प्रदान करें, जिससे जिला प्रशासन द्वारा प्रक्रिया जल्द पूर्ण कर

सकें। इस बैठक में वरिष्ठ विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा, संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक श्री कुलदीप जुनेजा, महापौर श्री एजाज ढ़ेबर और रायपुर विकास प्राधिकरण श्री सुभाष धुप्पड़ उपस्थित थे।

बैठक में वरिष्ठ विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य विधायक तथ जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री के प्रति इस योजना के लिए आभार व्यक्त किया। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल ने निर्धन तथा जरूरतमंदो की समस्याओं को समक्षा और संवेदनशीलता से उन्हें पट्टे प्रदान करने का निर्णय लिया। जल्द ही इस योजना के हितग्राहियों को पट्टे दिए जाएंगे। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे, नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर श्री बी.बी पंचभाई, श्री गजेन्द्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ के नगरीय क्षेत्रों में आवासहीन व्यक्तियों के लिए पट्टाधृति अधिकार अधिनियम 2023 की अधिसूचना का प्रकाशन छत्तीसगढ़ राजपत्र में कर दिया गया है। नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर 20 अगस्त 2017 से लगातार काबिज आवासहीन व्यक्तियों को शासकीय भूमि का निःशुल्क पट्टा दिया जाएगा।

फिर झूठ बोलकर गए पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री गोयल : भूपेश

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ आए और फिर झूठ बोलकर चले गए। उन्होंने कहा कि हम धान खरीदते हैं, जो कि सरासर झूठ है। धान छत्तीसगढ़ सरकार खरीदती है। वे खुद नीति आयोग समेत कई बैठकों में छत्तीसगढ़ की तारीफ कर चुके हैं। बैठक में सभी मुख्यमंत्री उपस्थित थे। वो सिर्फ और सिर्फ आरोप लगा रहे हैं। ये बातें सीएम भूपेश बघेल ने आज हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस के दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शामिल होने जाने से पहले रायपुर एयरपोर्ट पर कही।

सीएम ने सवाल करते हुए पूछा कि पीएम जिस कॉरिडोर का उद्घाटन किए हैं, उसमें कितने यात्री चलेंगे। यह सब वो अपने दोस्त अडाणी के लिए करने आए हैं। वह प्लांट भी खरीदेंगे और खदान भी खरीदेंगे, अडाणी को एचएचसीएल का खदान अभी वह दिए हैं। वो केवल झूठ बोलने का काम कर रहे हैं। झूठ बोलकर अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जिस पद पर बैठे हैं और झूठ बोलकर जा रहे हैं, यह आश्चर्य की बात है।

पीयूष गोयल के चावल खरीदने के आरोप पर सीएम

ने पलटवार करते हुए कहा कि इनका काम केवल झूठ बोलना है। आज से 4 साल पहले तत्कालीन कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत उनके पास पास गए थे, तो उन्होंने कहा कि आप समर्थन मूल्य से ज्यादा पर धान खरीद रहे हैं, इसलिए हम आपका चावल नहीं खरीद सकते। ऐसी स्थिति में हमें बाजार में धान को बेचना पड़ा और अभी वो फिर से आकर झूठ बोलकर गए। पहले वो तो 86 लाख मीट्रिक टन किए थे, अब 61 लाख कर दिए हैं। अभी हमको खाद्य विभाग से 6000 करोड़ रूपया लेना है। वह यदि छत्तीसगढ़ का हित चाहते तो आ करके दे गए होते। इनको छत्तीसगढ़ से तकलीफ हो रही है।

बीजेपी की परिवर्तन यात्रा पर छत्तीसगढ़ महतारी का चित्र लगाने पर सीएम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो छत्तीसगढ़ महतारी भी मजबूरी में लगाए हैं। सीढ़ी चढ़ने की जगह, जहां पर पांव रखते हैं, वहां पर छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर लगाई गई है। यह छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान है। वहीं कांग्रेस की लिस्ट जारी करने के सवाल पर कहा कि इस पर लगातार मंथन चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस बैठक होगी । इसके बाद स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी फिर समय पर ही लिस्ट जारी कर दी जाएगी। बीजेपी से सवाल करते हुए पूछा कि बीजेपी के वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर क्या कदम उठा रही है? क्या विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ में करने वाले हैं? सिर्फ कमेटी बनाकर छोड़ दिए हैं। 18 से 22 सितंबर तक तक जो विशेष सत्र बुलाया गया है। उसमें क्या ये एजेंडा रहेगा। अदाणी मामले में जब राहुल गांधी मुंबई में बोले तो यह चुप हो चुके हैं। बीच-बीच में जहां भी अदाणी मामला आ रहा है तो यह दूसरे चीजों का सिगूफा छोड़ देते हैं।

सीएम भूपेश ने कुरुद से बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर के आरोपों पर पलटवार करते हैं कि अजय चंद्राकर पहले अपनी खुद की चिंता कर लें। उन्हें टिकट मिल रही है कि नहीं। गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि वो छत्तीसगढ़ आए थे पर सभा में भीड़ न होने पर काफी नाराज थे। जब आरोप पत्र जारी किया तो उसमें कार्यकर्ता उपस्थित नहीं थे। दुर्ग में भी लोग मौजूद नहीं थे , इस वजह से वो नाराज थे। वो चाहते तो वर्चुअल बैठक भी कर कर सकते थे। नेताओं के बीच बीजेपी का जो मौसम है, वह ठीक नहीं है। यह केवल मौसम का बहाना बना रहे हैं। जबकि मौसम ठीक है।

समाचार पचीसा
रायपुर, रविवार 17 सितंबर 2023

14 टीवी एंकरों का बहिष्कार इमरजेंसी के संकेत

नीरज कुमार दुबे

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। लोकतंत्र की नींव मजबूत रहे इसके लिए चारों स्तंभों का मजबूत रहना बहुत जरूरी है। लेकिन जिस तरह मीडिया पर हमला हो रहा है वह दर्शा रहा है कि देश में आपातकाल लगा कर लोकतंत्र को बंदी बनाकर रखने वालों का हौसला फिर से बढ़ रहा है। देखा जाये तो कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन ने जिस तरह से कुछ टीवी समाचार चैनलों के एंकरों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करने का फैसला किया है वह मीडिया पर बड़े हमले के समान है। हमले की शुरुआत एंकरों के बहिष्कार से हुई है, कल को चैनलों का बहिष्कार भी हो सकता है, सत्ता में आने पर इन पत्रकारों या मीडिया संगठनों पर प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। आश्चर्य की बात यह है कि यह सब तब हो रहा है जब राहुल गांधी विदेश में घूम घूम कर कह रहे हैं कि भारत में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है और मीडिया को स्वतंत्रता के साथ काम नहीं करने दिया जा रहा है। आश्चर्य इस बात पर भी है कि एक और भारत जोड़ो का नारा दिया जा रहा है लेकिन दूसरी ओर ठीक इसके उलट काम किया जा रहा है। देखा जाये तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने कुछ एंकरों के कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की सूची जारी करके साबित कर दिया है कि वह पूरी तरह अपने पूर्वजों के दिखाये मार्ग पर चल रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि देश में जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल थोपा था तब समाचार पत्र-पत्रिकाओं के संपादकीय विभाग में सरकारी पहरा बिठा दिया गया था ताकि सरकार विरोधी कोई खबर ना छपने पाये। इसके अलावा आपातकाल के दौरान बड़े-बड़े संपादकों को जेलों में ठूँस दिया गया था और सरकारी प्रसारणकर्ता दूरदर्शन तथा आकाशवाणी पर समाचारों का प्रसारण करने से पहले कंटेंट को तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री से चेक करवाया जाता था। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान राहुल गांधी ने सवाल पूछे जाने पर पत्रकार को भाजपा का आदमी बताते हुए %हवा निकल गयी% कह कर उनका सरेआम मजाक उड़ाया था। यही नहीं, विपक्ष ने 14 नामों की सूची तो अब जारी की है लेकिन एंकर या मीडिया संगठन का नाम सुन कर उसके शो में भागीदारी करने या नहीं करने का सिलसिला काफी समय से चल रहा है। सोचिये जब विपक्ष में रह कर यह तेवर हैं कि हम फलां पत्रकार या मीडिया संगठन को अपने कार्यालय में नहीं घुसने देंगे या फलां पत्रकार के कार्यक्रम का बहिष्कार करेंगे, तो सत्ता में आने के बाद यह क्या कर सकते हैं? यहां सवाल एडिटर्स गिल्ड पर भी उठता है जिसने विपक्षी सूची पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। देखा जाये तो एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया कुछ एलीट लोगों का क्लब बन कर रह गया है जहां ये अपनी सुविधा के अनुसार ही बोलते हैं। यदि क्लब पर कोई आंच आये तब इन्हें मीडिया की स्वतंत्रता खतरे में नजर आती है लेकिन जब कोई राजनीतिक पार्टी मीडिया पर हमला करे तब यह चुप रह जाते हैं।

तेलुगू देशम के भविष्य का 'तारणहार'

आदिति फडणीस

राजमहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में उनकी पहचान सिर्फ कैदी संख्या ए/37 है। भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार होने और राजमंड्री जेल में बंद होने के बाद से नारा चंद्रबाबू नायडू की यही पहचान है। उनकी अनुपस्थिति के बाद उनके राजनीतिक दल तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सामने अब सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि आगे पार्टी का जिम्मा कौन संभालेगा? क्या पार्टी नेतृत्व परिवर्तन के लिए तैयार है? यह बदलाव इसलिए भी अहम है कि नायडू के बेटे नारा लोकेश के नेतृत्व का रिकॉर्ड ऐसा नहीं है जिससे कि आत्मविश्वास बढ़ता हो। नायडू को हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। एक ओर समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अखिलेश यादव तो दूसरी तरफ डी पुरंदेश्वरी, सभी उन्हें जेल में डालने के तरीके का विरोध कर रहे हैं। अखिलेश की प्रतिक्रिया स्वाभाविक है, खासतौर पर यह देखते हुए कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों के विरोध में हैं। लेकिन पुरंदेश्वरी (नायडू की साली) को हाल ही में आंध्रप्रदेश की भाजपा इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है। नायडू को जेल में डालने वाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी को भाजपा का अलिखित समर्थन हासिल है, इसके बावजूद पुरंदेश्वरी द्वारा नायडू को गिरफ्तार किए जाने के तरीके की नरम शब्दों में ही आलोचना करने का कुछ अर्थ जरूर है।

नायडू के समर्थन में खड़े लोग और भी हैं मगर कम हैं। जन सेना के पवन कल्याण जेल के दरवाजे पर मौजूद थे, जहां नायडू को उनकी गिरफ्तारी के कुछ ही मिनटों के भीतर रखा गया है। यह भी थोड़ी आश्चर्य की बात है। कुछ हफ्ते पहले ही कल्याण, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उस बैठक में हिस्सा ले रहे थे, जिसमें वह राज्य में भाजपा को तेदेपा के साथ गठबंधन करने और वाईएसआर कांग्रेस को पसंदीदा साझेदार न बनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें राजग में नायडू के लिए कोई समर्थक नहीं मिला। नायडू ने जून में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद पेशकश की थी कि आंध्र प्रदेश में वे त्रिपक्षीय गठबंधन कर सकते हैं। पर उन्हें खास तवज्जो नहीं मिली। पुरंदेश्वरी द्वारा नायडू के बचाव को देखिए जो एक तरह के गुप्त गठबंधन का संकेत देता है। हालांकि इस तरह के करार की दिक्कत यह है कि यह लंबे समय तक गुप्त नहीं रह सकते। सवाल यह है कि ऐसी स्थितियां बन कैसे गईं? नायडू के खिलाफ मामले के गुण-दोष पर विचार किए बिना, यह ध्यान रखना महत्त्वपूर्ण है कि आंध्र प्रदेश में प्रतिशोध की राजनीति कोई आज की बात नहीं है, खासतौर पर यहां के अभिजात्य वर्ग की सामंती प्रकृति को देखा जाए तो यह बात और स्पष्ट हो जाती है। जैसे आप तेलुगू फिल्मों में देखते हैं कि जमींदार राजनीति को नियंत्रित करते हैं और जो उनका विरोध करते हैं वे उन लोगों के अंग काट देते हैं। हकीकत में भी ऐसा होता है और इस बात को साबित करने के बहुत सारे सबूत हैं। चंद्रबाबू नायडू ने जगनमोहन रेड्डी को जेल में डाल दिया। इसलिए जगनमोहन रेड्डी तब तक चैन से नहीं बैठ सकते जब तक कि वह नायडू के साथ ऐसा भी नहीं कर लेते। इन लोगों खेल के अपने ही नियम होते हैं।

रेड्डी पहले ही तेदेपा के निर्वाचित नेतृत्व को छोड़कर बाकी को काफी नुकसान पहुंचा चुके हैं। तेदेपा के कई जिला स्तर के नेता और विधायक वाईएसआर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। नायडू को गिरफ्तार करना तेदेपा के अन्य नेताओं को यह संकेत देने जैसा है कि उनका भी यही हश्र हो सकता है। इस बीच, तेदेपा में चिंता बढ़ रही है। नायडू ने अभी तक पार्टी के सभी मामलों का प्रबंधन किया और चीजों की देखरेख के लिए अपने बेटे के अलावा किसी को भी अधिकार नहीं दिया। ऐसे में सवाल यह है कि अब पार्टी संगठन को कौन संभालेगा? हालांकि ऐसा कहते हैं कि एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा खुल जाता है। मुख्यधारा के मीडिया को इसका अंदाजा नहीं है कि लोकेश ने पूरे आंध्र प्रदेश में पदयात्रा की है। नायडू की कैद वास्तव में उनके लिए एनटी रामाराव वाला क्षण साबित हो सकती है जब उनकी सरकार गिर गई थी। ओपन हार्ट सर्जरी कराकर लौटने के बाद जब उन्हें यह पता चला था कि गवर्नर राम लाल ने उनकी सरकार बर्खास्त कर दी है तो हैदराबाद के हवाईअड्डे की बेंच पर थकान के साथ सोने की उनकी तस्वीरें देखी गईं थी।

अगर नायडू लंबे समय तक जेल में रहते हैं, तब लोकेश के पास पार्टी की बागडोर संभालने और पार्टी को अपने आदेश के मुताबिक काम करने के लिए मजबूर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मौजूदा घटनाक्रम ने तेदेपा को हतोत्साहित किया है। पवन कल्याण के मजबूत प्रभाव के साथ भी, पार्टी काडर को फिर से सक्रिय होने में समय लगेगा। इस बीच, जगन धीमी रफ्तार से काफी सधे हुए कदमों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नायडू की गिरफ्तारी के समय वह विदेश में थे। ऐसे में आंध्र प्रदेश के मतदाता यह तय कर सकते हैं कि इसमें उनकी भूमिका थी या सिर्फ कानून अपना काम कर रहा था। वह लोकेश के खिलाफ भी उसी मामले में कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं जिसमें उनके पिता फंसे हैं। अगर लोकेश को भी जेल भेज दिया जाता है, तो तेदेपा का प्रबंधन, आंध्र इकाई के अध्यक्ष अत्चेन नायडू और पूर्व शिक्षा मंत्री जी श्रीनिवास राव द्वारा किया जाएगा। नायडू के पुराने दौर को देखें तो यह बात निश्चित तौर पर आपको हैरानी में डालती है। नायडू अविभाजित आंध्र प्रदेश के राजा थे और उन्होंने आंध्र प्रदेश को बदलने में अहम भूमिका निभाई। उनके नौ साल के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख बिल गेट्स ने हैदराबाद में भारी निवेश किया। टोनी ब्लेयर और बिल क्लिंटन दोनों ने हैदराबाद में उनसे मुलाकात की थी और वह भारत में विशेषतौर पर नायडू से ही मिले।

टाइम पत्रिका ने उन्हें 'वर्ष के दक्षिण एशियाई' शख्स के तौर पर नामित किया और इलिनॉय के गवर्नर ने उनके सम्मान में 'नायडू दिवस' बनाया और उन दिनों आलम यह था कि उन्हें केवल मुंह खोलना था और उन्हें एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक, ब्रिटिश सरकार पूंजी देने के लिए तैयार थी। उन्हें सबसे बड़ा अफसोस इस बात का था कि हैदराबाद को फॉर्मूला वन रेसिंग के लिए उस समय नजरअंदाज कर दिया गया जब भारत में एक ट्रैक बिछाया जाना था। उस दौर से लेकर अब तक के इस दौर में अब एकमात्र सवाल यह है कि क्या उनका कारावास एक खतरा है? या यह एक अवसर है? तेदेपा इसका फायदा कैसे उठाएगी? या यह घुटने टेक देगी और यह एक अफसोस से ज्यादा कुछ नहीं होगा? यह भी हो सकता है कि आंध्र प्रदेश (जहां कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं) के मतदाता नायडू के प्रति उसी तरह सहानुभूति व्यक्त करें, जैसे उन्होंने जगनमोहन रेड्डी को नायडू द्वारा जेल में डाले जाने के बाद जताई थी। जो भी हो, आंध्र प्रदेश की राजनीति इस बात की याद दिलाती है कि भारतीय राजनीति में कभी भी कुछ भी हो सकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-8)

गतांक से आगे...

जो उच्छिष्ट, अभक्ष्य अथवा दुश्चरित्रता मेरे में सन्निहित हो, उन सबको हटाकर जल देवता हमें पवित्र बना दें, इस निमित्त यह आहुति समर्पित है। (इस प्रकार उपर्युक्त मन्त्रों से प्रोक्षण करके दो बार जलाभिषेक करने के बाद बायें हाथ से वेदिका का स्पर्श करते हुए दाहिने हाथ में ग्रहण कर) अमृतमस्यमृतोपस्तरणमसि (हे जल! तुम अमृत स्वरूप हो, तुम अमृत स्वरूप आच्छादन हो) यह कहते हुए उसे पीकर अमृतं प्राणे जुहोम्यमाशिष्यान्तोऽसि (अमृतोपम होम करने के योग्य पदार्थ का आस्वादन प्राप्त कर लिया गया है।) यह कहकर अपनी आत्मा का अनुसंधान करते हुए प्राण में आहुतियाँ समर्पित करे। प्राण के लिए आहुति समर्पित है। अपान, व्यान, उदान, समान के लिए आहुति समर्पित है। ब्रह्मा के लिए आहुति समर्पित है। ब्रह्म में मेरी आत्मा अमृतत्व का रसास्वादन प्राप्त करे।

निष्ठिका अंगुली और अँगूठे के द्वारा प्राण में, अनामिका से अपान में, मध्यमा से व्यान में तथा सभी अँगुलियों के द्वारा समान में आहुति डालनी चाहिए। [काया में सक्रिय पाँचों प्राणों का हाथ की विभिन्न अँगुलियों से सम्बन्ध होने का संकेत है। विभिन्न अंगुलियों के माध्यम से पाँचों प्राणों का संवर्धन कैसे संभव है, यह शोध का विषय है।]

मौन रहते हुए एक आहुति (प्राणाय स्वाहा से) करे। (अपानाय स्वाहा से) दो आहुतियाँ आहवनीय में, एक (आहुति) दक्षिणाग्नि में, एक गार्हपत्य में एवं एक सर्वप्रायश्चित्तीय अग्रि में समर्पित करे। (इस प्रकार पाँच आहुतियाँ समर्पित करके यथा नियम ग्रहण कर अर्थात् अन्न सेवन कर अथ पुरस्तात् चोपरिष्टाच्च अद्भिः परिदधाति, इस श्रुति के अनुरोध से) अपिधान (अनावृत) स्वरूप को अमृतत्व के लिए स्पर्श करके फिर ग्रहण कर पुनः स्पर्श करे।

बायें हाथ में जल लेकर हृदयालम्भन कर अर्थात् हृदय के समीप में हाथ रखकर जप करे। मुख्य प्राण पाँच प्रकार के वायु (प्राण, अपान, व्यान, उदान और समान) से घिरा हुआ परमात्मा स्वरूप है। वह मुझे समस्त प्राणियों से भय रहित करे, मैं उनसे कभी भयभीत न होऊँ। आप विश्वस्वरूप हैं। आप ही विश्व में वैश्वानर रूप में विराट् होकर समस्त विश्व को अपने स्वरूप में धारण करते हैं। वह वैश्वानर सम्पूर्ण भूत-प्राणियों की देह में स्थित है। आप ब्रह्मामृत स्वरूप हैं, आपसे प्रादुर्भूत होने वाला यह विश्व तुरीयाग्नि में सभी आहुतियों के रूप में विलीन हो जाता है।

जो प्राणरूप से पैर के दोनों अंगूठों के अग्रभाग में प्रतिष्ठित है, वहाँ पर तुम प्रतिक्षण अभिनव पुरुष के रूप में स्थित रहते हो। इस भोजन के अन्त में अमृतत्व की प्राप्ति हेतु तुम्हें सब ओर से सिंचित (तुष्ट) करता हूँ। वे (प्राणरूप पुरुष) विशिष्ट चेष्टासम्पन्न हैं, अतः बाह्यात्मा इनका चिन्तन करे। यह पुरुष (प्रत्येक दिन प्राण रूपी) अग्निहोत्र करता है। [क्योंकि तुम्हारा परमात्मा (अग्रि रूप का) पुत्रवत् पोषण करते हैं।] अतः तुम सभी के पुत्र भी होते हो, इस यज्ञीय भाव से परिवृत होकर तुम आहुतियों का होम करते हो। अपने शरीर में यज्ञ को परिवर्तित करता हूँ। इस शरीर में अग्नियों की संख्या चार मानी सूक्ष्मातिसूक्ष्म है ये सभी अर्धमात्रिक मात्र है।

क्रमशः ...

निर्माण एवं सृजन के देवता हैं भगवान विश्वकर्मा

मृत्युंजय दीक्षित

विश्वकर्मा एक ऐसे देव हैं, जिन्हें देशभर में लोग पूजते हैं। आज 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती है। यह एक ऐसा दिन है, जो उनके जन्मदिवस के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा वास्तव में एक देव शिल्पकार है, जिनका जन्म समुद्र मंथन से हुआ था। ऐसा माना जाता है कि विश्वकर्मा देव ने ही भगवान कृष्ण के पवित्र शहर द्वारिका का निर्माण किया था।

भगवान विश्वकर्मा सृजन के आदि देव माने जाते हैं जिन्होंने अपने महानतम कर्म से स्वर्णिम इतिहास रचा। प्राचीन ग्रंथों में विश्वकर्मा को प्रजापति, आदित्वदेव ,शिल्पी, त्रिदाचार्य आदि नामों से पुकारा गया है। विश्वकर्मा के अवतार विभिन्न युगों एवं मनवन्तरों में हुए हैं। देव, राक्षस, गंधर्व, मानव आदि योनियों में इनके अवतारों का वर्णन मिलता है।

इन्हीं अवतारों में से एक हैं भैमेन अवतार। ब्रहमा जी के मानस पुत्र ऋषिधर्म देव की आठ संताने हुई। जिन्हें अष्टवासु कहा गया है। इन्हीं अष्टवासु की आठवीं संतान के पुत्र हैं श्रीभौमेन विश्वकर्मा। उनकी मां का नाम वस्त्री या जिन्हें अंगिरा एवं भुवना के नाम से भी जाना जाता है। विश्वकर्मा की मां देवगुरू बृहस्पति की बहन एवं अंगिरा ऋषि की पुत्री थीं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आचार्य और आविष्कारक माने जाते हैं। धनकुबेर व श्रीलंका नरेश की राजधानी का निर्माण विश्वकर्मा ने ही किया था। भगवान इंद्र की भव्य इंद्र नगरी जो सुमेरू पर्वत पर बसी थी विश्वकर्मा के द्वारा ही बनायी गयी थी। त्रेतायुग में सेतुबंध और रामेश्वरम का निर्माण भी

विश्वकर्मा के पुत्रों नल और नील के द्वारा ही ही हुआ था जिसकी प्रशंसा प्रभु श्रीराम ने भी की है।

इससे यह सुस्पष्ट होता है कि विश्वकर्मा शिल्प एवं वास्तु विद्या के अधिष्ठाता तथा निर्माण एवं सृजन के देवता हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवताओं में से एक हैं। उन्हें पृथ्वी, जल, प्राणी आदि का निर्माता कहा जाता है। अथर्ववेद में वात सतेज ब्राह्मणों एवं पुराणों में इसका गौरवपूर्ण वर्णन मिलता है। संहिता में उन्हें सर्वदृष्टा प्रजापति कहा गया है। शतपथ ब्राह्मण में वे विधाता प्रजापति हैं। महाभारत में विश्वकर्माको देवताओं का महान शिल्प शास्त्री तथा स्वयंभुव मन्वन्तर के शिल्प प्रजापति कहकर गौरवान्वित किया गया है।

विश्वकर्मा शब्द बड़े ही व्यापक अर्थां में हैं। यजुर्वेद के अनुसार विश्वकर्मा अर्थात सभी कर्म क्रिया कलाप जिन के द्वारा हुए इस अर्थ में श्रृमंग के रचयिता परमेश्वर के रूप में विश्वकर्मा का बोध होता है। उन्होंने ब्रह्मा जी की इच्छा के अनुसार नवीन अनुसंधानों, उपकरणों और सौर ऊर्जा की उपयोगिता के ज्ञान का उपयोग करके विष्णु भगवान के लिए सुदर्शन चक्र, शिवजी के लिए त्रिशूल, इंद्र के लिए विजय नामक रथ एवं पुष्पक विमानों का निर्माण किया। जिसे आधुनिक भाषा में क्रमशः प्रक्षेपास्त्र तथा आकाशयान कहते हैं। विश्वकर्मा एक आदर्श एवं उच्चकोटि के शिल्पी ही नहीं वरन आदि अभियंता हैं। वास्तु तथा स्थापत्य शास्त्र गुणी हैं तथा वास्तुशास्त्र ग्रन्थ के रचयिता माने जाते हैं। वास्तुकला को एक शास्त्र के रूप में प्रस्तुत करने वाला यह विश्व का पहला ग्रंथ है। उनका नवनिर्माण कार्य एवं सशोधन केवल वास्तुकला या शिल्प शास्त्र तक ही सीमित नहीं था वे शस्त्र शास्त्र तथा विमानन के भी जनक थे। उनके द्वारा निर्मित प्रसिद्ध पुष्पक विमान की विशेषता थी कि वह भूतल पर जल में और आकाश मार्ग से सामान रूप से भ्रमण कर सकता था। विश्व इतिहास में भगवान विश्वकर्मा ही एकमात्र ऐसे महापुरूष हैं जो ललित एवं सांस्कृतिक कलाओं के ज्ञाता एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सृजनकर्ता दोनों हैं। कहा गया है कि भगवान विश्वकर्मा ने ही माँ लक्ष्मी जी को अलंकारों से विभूषित है। त्रेता युग से महाभारत काल तक जितने भी नवनिर्माण हुए सभी के सभी भगवान विश्वकर्मा के द्वारा ही सम्पन्न कराये गये। स्वनाम धन्य सम्पूर्ण विश्व के सृजनकर्ता, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित, सम्पूर्ण समाज के हित में कार्य करने वाले,जिनकी कथनी व करनी में अंतर न हो, जिनमें सर्वकालिक दिशा दर्शन की क्षमता है ऐसे भगवान विश्वकर्माअपनी सृजन शक्ति के कारण सर्वथा पूजनीय हैं। भगवान विश्वकर्मा हमें सतत अभ्यास, लगन और श्रम की प्रेरणा देते हैं।

बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव होने देगी शेख हसीना सरकार?

नीरज कुमार दुबे

बांग्लादेश में अगले साल होने वाले संसदीय चुनाव के लिए राजनीतिक सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। विपक्ष मांग कर रहा है कि अंतरिम सरकार को नेतृत्व सौंप कर चुनाव कराये जाएं लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना इसके लिए तैयार नहीं हैं। बांग्लादेश के संसदीय चुनावों की निष्पक्षता पर चूंकि हमेशा से ही सवाल उठते रहे हैं इसलिए इस बार भी लोगों के मन में तमाम तरह के संशय हैं। बांग्लादेश के चुनावों पर भारत की खासतौर पर नजर है क्योंकि शेख हसीना भारत समर्थक मानी जाती हैं जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी का रुख चीन के समर्थन वाला है। इसके अलावा शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया के राज में बांग्लादेश में कट्टरपंथी हावी हो जाते हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के नेतृत्व में देश ने तरक्की तो की है लेकिन अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर यह देश कर्ज के जाल में फँसता ही चला जा रहा है और भ्रष्टाचार भी चरम पर है। बताया जाता है कि वर्तमान सरकार के साथ गहरे संबंध रखने वाले राजनेताओं और व्यापारियों ने अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और अन्य जगहों पर घर खरीदे हैं और कंपनियां स्थापित की हैं लेकिन आम बांग्लादेशी तमाम तरह की दुश्वारियों का सामना कर रहा है। बांग्लादेश में बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ रही है। देखा जाये तो सऊदी अरब, मिस्र और ईरान की तुलना में बड़ी मुस्लिम आबादी वाले युवा लोगों से भरे इस देश के लिए एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र ही समस्याओं का समाधान निकाल सकता है लेकिन फिलहाल इसके आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

जहां तक बांग्लादेश के संसदीय चुनावों के इतिहास की बात है तो आपको बता दें कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में 1971 में जन्म के बाद बांग्लादेश में लोकतंत्र और कानून का शासन मुश्किलों में घिरा रहा है क्योंकि इसके पहले दशकों में संस्थापक राष्ट्रपति की हत्या के बाद तख्तापलट और जवाबी तख्ता पलट का दौर रहा। बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य शासन प्रणालियों द्वारा हमेशा बदलता रहा है। यह एक-दलीय शासन, सैन्य नियंत्रण, चुनावी लोकतंत्र और एक नागरिक सरकार के तहत एक निरंकुश शासन के बीच स्थानांतरित हुआ। देखा जाये तो देश की राजनीतिक व्यवस्था अब काफी हद तक रूस से मिलती-जुलती है, जिसमें कुलीन वर्गों का एक समूह अत्यधिक आर्थिक लाभ उठा रहा है और वर्तमान शासन को सत्ता में बनाए रखने के लिए भारी निवेश किया है।

बांग्लादेश में जनवरी 2024 में चुनाव होने हैं और मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी एक तटस्थ कार्यवाहक सरकार के तहत चुनाव कराने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतर कर रैलियां कर, सरकार पर दबाव बढ़ा रही है। हालांकि, देश में सत्तारुढ़ बांग्लादेश आवामी लीग इस बात पर अड़ी हुई है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में ही देश में चुनाव कराये जायेंगे। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष माना जाने वाला पिछला चुनाव 2008 में हुआ था और उसके अगले वर्ष शेख हसीना सत्ता में आईं थीं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में 2014 और 2018 के चुनाव विवादों से भरे रहे थे। 2014 के चुनाव का तो विपक्ष ने बहिष्कार किया था। विपक्ष ने 2018 के चुनाव में भाग लिया था, लेकिन डराने-धमकाने, विपक्ष के दमन और बड़े पैमाने पर वोट में धांधली के आरोपों से मतदान प्रभावित हुआ था, इसमें सत्ताधारी दल के लिये बूथों पर कब्जा भी शामिल था।

रिपोर्टें हैं कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश ने मतदान की निष्पक्षता के लिए सर्वेक्षण किया था जिसमें 50 में से 47 सीटों पर कई तरह की विसंगतियां पायी गयी थीं। मानवाधिकार संगठनों ने शेख हसीना सरकार पर क्रूर नीति के तहत काम करने का आरोप लगाया है, जिसमें लोगों को जबरन गायब करना, न्यायेतर हत्याएं और आलोचकों तथा विपक्षी हस्तियों को कैद करना शामिल है। ह्यूमन राइट्स वाच के आंकड़ों के अनुसार 2009 से अब तक करीब 600 लोग गायब हुये हैं। देश में 2018 के बाद से सुरक्षा बलों पर 600 न्यायेत्तर हत्याओं के आरोप लगे हैं। स्वीडन की खोजी पत्रकारिता साइट नेत्र न्यूज को ढाका में एक गुप्त कारागार मिला जिसका नाम आइनाघर है जहां गायब लोगों को कथित रूप से रखा गया है। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस 198 मुकदमों का सामना कर रहे हैं और यूनुस के न्यायिक उत्पीड़न का शिकार होने की बात कहने वाले एक उप अटॉर्नी जनरल को बर्खास्त कर दिया गया था।

बांग्लादेश के लोकतंत्र और निर्वाचन की यह स्थिति देखते हुए अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित प्रमुख उदार लोकतंत्रों ने नए चुनाव का आह्वान किया, लेकिन भारत, रूस और चीन ने परिणाम को लेकर कोई दिक्कत नहीं जताई। अमेरिका ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक गिरावट के बारे में चिंता व्यक्त की है, जबकि चीन और रूस वर्तमान शासन को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। दूसरी ओर, शेख हसीना पर अमेरिकी दबाव को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुये बांग्लादेश में चीन के राजदूत ने हाल ही में कहा कि उनका देश बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। यही नहीं, रूस ने तो आगे बढ़ते हुए बांग्लादेश में अमेरिकी दूत के हस्तक्षेप की निंदा तक कर डाली। दिसंबर 2021 में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने घोषणा की थी कि अमेरिका विशिष्ट अर्द्धसैनिक बल रैपिड एक्शन बटालियन और उसके छह पूर्व अधिकारियों, साथ ही बांग्लादेश पुलिस के वर्तमान और हाल के प्रमुखों के खिलाफ प्रतिबंध लगाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोर मानवाधिकार उल्लंघन के लिए दो पूर्व पुलिस अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों पर वीज़ा प्रतिबंध भी लगाया है।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि बांग्लादेश में एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव देश को तानाशाही की ढलान में जाने से रोकेगा और अधिक जवाबदेही का मार्ग प्रशस्त करेगा। लेकिन रिपोर्टें हैं कि कार्यवाहक सरकार के अधीन देश में आम चुनाव कराने की मांग पूरा नहीं किये जाने पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी आगामी चुनाव का बहिष्कार कर सकती है। यदि ऐसा हुआ तो फिर चुनाव और लोकतंत्र के कोई मायने नहीं रह जायेंगे।

हिन्द स्वराज्य

हिन्दुस्तान की दशा-4 (भाग-2)

गतांक से आगे...

मुवक्किल के खयाल में भी न हो ऐसी दलीलें मुवक्किल की ओर से ढूँढना वकील का काम है। अगर वह ऐसा नहीं करता तो माना जायेगा कि वह अपने पेशे को बट्टा लगाता है। इसलिए वकील तो आम तौरपर झगड़ा आगे बढ़ाने की ही सलाह देगा। लोग दूसरों का दुख दूर करने के लिए नहीं, बल्कि पैसा पैदा करने के लिए वकील बनते हैं। वह एक कमाई का रास्ता है। इसलिए वकील का स्वार्थ झगड़ा बढ़ाने में है। यह तो मेरी जानी हुई बात है कि जब झगड़े होते हैं तब वकील खुश होते हैं। मुखतार लोग भी वकील की जात के हैं। जहाँ झगड़े नहीं होते वहाँ भी वे झगड़े खड़े करते हैं। उनके दलाल जोंक की तरह गरीब लोगों से चिपकते हैं और उनका खून चूस लेते हैं। वह पेशा- ऐसा है कि उसमें आदमियों को झगड़े के लिए बढ़ावा मिलता ही है। वकील लोग निठल्ले होते हैं। आलसी लोग ऐश-आराम करने के लिए वकील बनते हैं। यह सही बात है। वकालत का पेशा बड़ा आबरूदार पेशा है, ऐसा खोज निकालने वाले भी वकील ही हैं। कानून वे बनाते हैं, उसकी तारीफ भी वे ही करते हैं। लोगों से क्या दाम लिये जायँ यह भी वे ही तय करते हैं; और लोगों पर रोब जमाने के लिए आडम्बर ऐसा करते हैं, मानो वे आसमान से उतरकर आये हुए देवदूत हों! वे मजदूर से ज्यादा रोजी क्यों माँगते हैं? उनकी जरूरतें मजदूर से ज्यादा क्यों हैं? उन्होंने मजदूर से ज्यादा देश का क्या भला किया है? क्या भला करने वालों को ज्यादा पैसा लेने का हक है? और अगर पैसे की खातिर उन्होंने भला किया हो, उसे भला कैसे कहा जाय? यह तो उस पेशे का जो गुण है वह मैंने बताया। वकीलों के कारण हिन्दू-मुसलमानों के बीच कुछ दंगे हुए हैं, यह तो जिन्हें अनुभव है वे जानते होंगे। उससे कुछ खानदान बरबाद हो गये हैं। उनकी बदौलत भाइयों में जहर दाखिल हो गया कुछ रियासतें वकीलों के जाल में फँसकर कर्जदार हो गयी हैं। बहुत से गरासिये इन वकीलों की कारस्तानी से लुट गये हैं। ऐसी बहुत-सी मिसालें दी जा सकती हैं। लेकिन वकीलों से बड़े-से-बड़ा नुकसान तो यह हुआ है कि अंग्रेजों का जुआ हमारी गर्दन पर मजबूत जम गया है। आप सोचिये। क्या आप मानते हैं कि अंग्रेजी अदालतें यहाँ न होतीं तो वे हमारे देश में राज कर सकते थे?

क्रमशः ...

संसद सत्र में क्या होगा सरकार का असली एजेंडा?

अमित शर्मा

संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने जब 31 अगस्त को संसद का विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की थी, तभी से सत्र के मुद्दों को लेकर अटकलबाजी चल रही थी। चर्चा यही थी कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव, महिला आरक्षण बिल या देश का नाम केवल भारत रखने जैसे प्रस्ताव पास कराने की कोशिश कर सकती है। इसे उसकी 2024 लोकसभा चुनावों को देखते हुए बड़ा सियासी दांव करार दिया जा रहा था। वहीं, विपक्ष ने इसे सरकार के द्वारा मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश करार दिया गया है। उसका कहना है कि वह मूल मुद्दों को उठाकर बहस को दिशाहीन नहीं होने देगा।

लेकिन अब सरकार ने यह साफ कर दिया है कि 18 सितंबर से 22 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस विशेष सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त विधेयक, प्रेस पंजीकरण विधेयक, अधिवक्ता विधेयक और डाकघर विधेयक पारित कराने की कोशिश की जाएगी। हालांकि, विपक्ष अभी भी सरकार की सफाई से संतुष्ट नहीं है। उसे लग रहा है कि सरकार अपना असली एजेंडा छिपा रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि विशेष सत्र के दौरान सरकार अपना असली एजेंडा सामने ला सकती है। यह एजेंडा क्या हो सकता है और विपक्ष इससे इतना आशंकित क्यों है?

दरअसल, माना यही जा रहा है कि विकास के तमाम बड़े कामों को करने के बाद भी सरकार के हाथ अभी वह ट्रंप कार्ड नहीं हाथ लगा है जो 2024 लोकसभा चुनाव में उसकी जीत की गारंटी बन सके। यही कारण है कि यह माना जा रहा है कि सरकार अंतिम क्षणों में कोई बड़ा सियासी दांव खेलकर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर सकती है। यह ध्रुवीकरण समान नागरिक संहिता या एक देश एक चुनाव जैसा कोई भावनात्मक मुद्दा हो सकता है।

सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर जो नई व्यवस्था प्रस्तावित की है, उसके अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका समाप्त हो जाएगी। प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष की ओर से आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह पहले ही यह मुद्दा उठाने की शुरुआत कर चुके हैं।

जनता दल यूनाइटेड नेता सत्य प्रकाश मिश्रा ने अमर उजाला से कहा कि हमें इस बात की पूरी संभावना दिखाई पड़ रही है कि सरकार संसद सत्र में अपना छिपा हुआ एजेंडा सामने ला सकती है। इसका बड़ा कारण यही है कि सरकार ने आज तक किसी भी मुद्दे पर विपक्ष से बातचीत को महत्त्व नहीं दिया है। वह अचानक बड़े बदलाव वाले निर्णय लागू करती है, जिससे उहापोह की स्थिति बनती है।

यदि सरकार इस तरह का कोई मुद्दा लेकर आती है, तो विपक्ष इसका सामना कैसे करेगा? अमर उजाला के इस सवाल पर जदयू नेता ने कहा कि सरकार विवादित मुद्दों के सहारे मणिपुर, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों से बचने की कोशिश कर रही है। लेकिन उनकी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन में शामिल समूचे विपक्षी राजनीतिक दल इन मुद्दों को उठाएंगे और सरकार को घेरने का काम करेंगे।

भाजपा के पूर्व सांसद बिजय सोनकर शास्त्री ने कहा कि विशेष सत्र के दौरान छिपा हुआ एजेंडा लाने का आरोप लगाना कांग्रेस और विपक्ष की अलोकतांत्रिक सोच को दिखाता है। संसद में बहुमत से किसी निर्णय पर पहुंचा जाता है और इसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद उसे देश में लागू किया जाता है। इसलिए छिपा हुआ एजेंडा लाने की बात कहना संसदीय प्रणाली और इसकी प्रक्रिया का अपमान है। बिजय सोनकर शास्त्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा गांधी परिवार के हितों से प्रेरित होकर हर आदेश मानने और उसे लागू करने की संस्कृति से प्रेरित रही है। उसने पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ऊपर उठकर अपने परिवार विशेष के हित में निर्णय लिए हैं। ऐसे में उसे लगता है कि इस सरकार में भी इसी तरह के निर्णय हो रहे हैं।

लेकिन वे समूचे विपक्ष को आश्वस्त करना चाहते हैं कि इस सरकार में पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही निर्णय लिए जाएंगे और लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और विशेष सत्र देश के विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए लाया गया है और हर दल को इसमें सरकार का साथ देना चाहिए।

राजनीतिक टिप्पणीकार संजय तिवारी ने अमर उजाला से कहा कि इस मामले में खूब अटकलबाजी हुई है। यदि सरकार पहले ही संसद सत्र के एजेंडे का खुलासा कर देती, तो इस तरह की अटकलबाजियों को स्थान नहीं मिलता। इस पर एक और गलती हुई कि पहले तो प्रह्लाद जोशी ने यह कह दिया कि संसद सत्र का मुद्दा बताने की कोई परंपरा नहीं रही है, लेकिन बाद में सरकार ने एजेंडा घोषित भी कर दिया। यह इस मामले पर सरकार में एकमत होने की कमी को दर्शाता है। यदि इस मामले पर एक सुविचारित रणनीति से काम किया गया होता तो इस अटकलबाजी से बचा जा सकता था।

उन्होंने कहा कि इस अटकलबाजी का किसे लाभ मिला, यह कहना मुश्किल है। इससे सरकार के आगामी कदम को लेकर सरकार के समर्थकों और उसके विरोधियों दोनों ही खेमों में भ्रम बना रहा। लेकिन सरकार के किसी काम के प्रति भ्रम पैदा होने से उसे ही नुकसान होता है।

विपक्ष यह भ्रम पैदा करने की लगातार कोशिशें करता रहा है कि सरकार आने वाले समय में चुनाव को समाप्त करने की कोशिश कर सकती है। यदि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में पूरी तरह सरकार का ही नियंत्रण रहा, तो इससे विपक्ष यह कहने में सफल हो जाएगा कि उसकी आशंका अकारण नहीं थी। भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है। घोसी उपचुनाव में हर वर्ग के मतदाताओं को एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी के विरोध में वोट करने के संकेत को समझा जाना चाहिए।

मध्यप्रदेश में कमलनाथ-शिवराज के खिलाफ कौन लगा रहा पोस्टर

शिवेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही पोस्टर प्रहार तेज हो गया है। राजधानी भोपाल की सड़कों पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ विवादित पोस्टर दिखाई दिए। पोस्टर में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए करप्शन का हैवान जैसे शब्द लिखे गए हैं। कांग्रेस ने इसके पीछे भाजपा का हाथ बताते हुए भोपाल में एफआईआर कराई है। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही पोस्टर प्रहार तेज हो गया है। राजधानी भोपाल की सड़कों पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफ विवादित पोस्टर दिखाई दिए। पोस्टर में पूर्व मुख्यमंत्री के लिए करप्शन का हैवान जैसे शब्द लिखे गए हैं। कांग्रेस ने इसके पीछे भाजपा का हाथ बताते हुए भोपाल में एफआईआर कराई है। कमलनाथ के खिलाफ लगे पोस्टर के जवाब में कांग्रेस ने भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जुड़ा विवादित पोस्टर ट्वीट किया। मध्यप्रदेश में इससे पहले भी कमलनाथ और शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ इस तरह के कई विवादित पोस्टर लगाए जा चुके हैं। राज्यों में चुनावी पोस्टरबाजी का इस्तेमाल पहले भी होता रहा है। हाल में संपन्न कर्नाटक विधाननसभा चुनाव और पिछले हुए हिमाचल चुनाव में भी पोस्टरों का काफी इस्तेमाल किया गया था। इस बीच सवाल उठते हैं कि आखिर मध्यप्रदेश में पोस्टरबाजी का मामला क्या है? इससे पहले किन चुनावों में इस तरह के हथकंडे अपनाए गए हैं? पिछले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भी क्या ऐसी गतिविधियां हुई थीं? इसी महीने की सात तारीख को शाहरुख खान की फिल्म जवान रिलीज हुई थी। इसी फिल्म के पोस्टर को एडिट करके कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के पोस्टर बनाए गए हैं। राजधानी की गलियों में लगे इन पोस्टर में न इन्हें चिपकाने वाले का नाम है न कोई पता। वहीं, कांग्रेस का आरोप है कि यह पोस्टर कमलनाथ की छवि खराब करने के लिए भाजपा की ओर से लगाए गए हैं। करप्शन नाथ फिल्म के नाम से लगे इन पोस्टरों को राजधानी भोपाल की सभी मुख्य सड़कों पर देखा गया। ये पोस्टर न्यू मार्केट, 10. नं मार्केट, पीर गेट, डीबी माल के सामने, एमपी नगर, प्रगति पेट्रोल पंप, बिट्टन मार्केट, नादरा बस स्टैंड के साथ ही कांग्रेस कार्यालय के पास स्थित बस स्टॉप पर भी दिखाई दिए। इन पोस्टरों को लेकर पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मिथुन अहिरवार का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी कमलनाथ की छवि खराब करने का काम कर रही है। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब इस तरह के पोस्टर सड़कों पर दिखाई दिए हों। इसके पहले भी ऐसा ही पोस्टर वार देखने को मिल चुका है। इसमें कांग्रेस से कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और भाजपा से सीएम शिवराज सिंह चौहान के एडिट किए पोस्टर देखने को मिल चुके हैं। 23 जून को पूर्व सीएम कमलनाथ के विवादित पोस्टर लगे थे। जिसमें उनको वांटेड और करप्शननाथ बताया गया था। इसमें कांग्रेस सरकार के 15 महीने के कथित अधूरे वादों को गिनाया गया था। इसे कांग्रेस ने भाजपा की चाल बताया था। उसी दिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के राज में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए पोस्टर लगाए गए आए थे। भोपाल के प्लेटिनम प्लाजा के आसपास समेत अलग-अलग इलाकों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विवादित पोस्टर लगाए गए थे। इनमें फोन पे स्कैनर के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तस्वीर लगी हुई थी। इसके ऊपर लिखा था 50 प्रतिशत लाओ, फोन पे काम कराओ। नीचे लिखा था एक्सेप्टेड मामा। ऐसे ही पोस्टर बुरहानपुर, सतना और अन्य जगहों में भी लगे। कर्नाटक में मई महीने में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने %पेसीएम% पोस्टरों के जरिए पूरा प्रचार अभियान चलाया था। कर्नाटक में कांग्रेस के राज्य प्रमुख डीके शिवकुमार, तत्कालीन विपक्ष के नेता सिद्धारमैया और सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कांग्रेस नेताओं ने खुद बेंगलुरु में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ पे-सीएम के पोस्टर चिपकाए थे। बाद में उन्हें हिरासत में भी लिया गया था। नवंबर-दिसंबर 2018 में मध्यप्रदेश में पिछला विधानसभा चुनाव हुआ था। उससे पहले चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ पोस्टर और विज्ञापन जारी किए थे। इनकी टैगलाइन थी कि %माफ करो महाराज, हमारे नेता शिवराज%। ये पोस्टर और विज्ञापन पूरे चुनाव प्रचार में छाये रहे थे।

लवली के अध्यक्ष बनने का मतलब आप से हाथ मिलाने की तैयारी?

गुलशन राय खत्री

कड़े विरोध के बावजूद दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। सीनियर लीडर अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली कांग्रेस की कमान सौंपने के बाद अब पार्टी आलाकमान ने लगभग ये संकेत दे दिए हैं कि दिल्ली की सात सीटों पर वह आप के साथ हाथ मिलाने के लिए तैयार है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि दरअसल, आई.एन.डी.आई.ए के गठन के वक्त दिल्ली कांग्रेस ने आप के साथ हाथ मिलाने का तगड़ा विरोध किया था। यही वजह है कि पार्टी ने नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर लंबा वक्त लिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अजय माकन की अगुवाई वाला दिल्ली कांग्रेस का एक बड़ा ग्रुप नहीं चाहता था कि आप से हाथ मिलाया जाए। इस ग्रुप का कहना है कि इसका खामियाजा आने वाले सालों में पार्टी को भुगतना पड़ सकता है। दूसरी ओर पार्टी का एक वर्ग यह मानता रहा है कि दिल्ली में अगर आप से हाथ मिलाकर कुछ सीटों पर जीत मिल सकती है तो उसमें कोई बुराई नहीं है। इस वर्ग का ये भी कहना है कि विचारधारा के मामले में आप और कांग्रेस में कोई बड़ा अंतर नहीं है और आप के संगठन में भी कांग्रेस से गए नेताओं की काफी संख्या है। पार्टी नेताओं का मानना है कि प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में अरविंदर सिंह लवली के अलावा देवेन्द्र यादव, अभिषेक दत्त और संदीप दीक्षित भी शामिल थे। अजय माकन की ओर से देवेन्द्र यादव और अभिषेक दत्त का नाम आगे किया गया था लेकिन पार्टी को चिंता थी कि इन नेताओं को कमान दी गई तो आप के साथ हाथ मिलाने का कड़ा विरोध कर सकते हैं। यही वजह है कि जब माकन को ये संकेत मिले कि पार्टी देवेन्द्र यादव या अभिषेक दत्त की बजाए किसी ओर को प्रदेश की कमान सौंप सकती है तो उन्होंने अपनी ओर से संदीप दीक्षित का भी नाम आगे किया। लेकिन दीक्षित भी लगातार अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान दे रहे थे। इसके बाद पार्टी ने अरविंदर सिंह लवली के नाम पर मुहर लगाई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक लवली को कमान सौंप कर पार्टी ने साफ संकेत दे दिया है कि दिल्ली में कांग्रेस और आप मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हालांकि औपचारिक तौर पर दोनों पार्टियों में सीटों के बंटवारे पर बात नहीं हुई है लेकिन कांग्रेस अपनी ओर से लोकसभा की तीन से चार सीटों पर दावा करने की तैयारी में है। पार्टी को लग रहा है कि उसकी कोशिश होगी कि कम से कम तीन सीटें उसे मिलें। इन नेताओं को लग रहा है कि अगर उन्हें लोकसभा की तीन सीटें मिलती हैं तो विधानसभा चुनाव में भी वह 30 सीटों पर दावा करेगी। हालांकि पार्टी के एक दिग्गज नेता के मुताबिक आप के साथ हरियाणा और पंजाब की सीटों पर भी बात होती है तो भी उस स्थिति में कांग्रेस दिल्ली में लोकसभा की दो सीटें लेकर उधर हरियाणा में आप की सीटें कम कर सकती है।

इंडिया गठबंधन : एंकरों की सूची जारी करने पर विवाद गहराया

अतुल सिन्हा

विपक्षी गठबंधन इंडिया ने जब से 14 टीवी एंकरों के कार्यक्रमों में अपने प्रवक्ता को न भेजने और उनका बहिष्कार करने का ऐलान किया है, मीडिया के तमाम मंचों पर इसे लेकर अलग अलग तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या खबरिया चैनलों के मौजूदा स्वरूप या टीवी बहसों में विपक्ष के प्रवक्ताओं पर एंकर के आक्रामक तरीके से हावी होने के पीछे सिर्फ ये चेहरे जिम्मेदार हैं या फिर उनके पीछे कोई अप्रत्यक्ष दबाव रहता है?

इंडिया गठबंधन की प्रेस विज्ञप्ति में जिन 14 एंकरों के नाम हैं, क्या सिर्फ वही इस पूरी स्थिति के मुख्य 'आरोपी' हैं या वे सिर्फ इसके प्रतिनिधि मात्र हैं? क्या तथाकथित गोदी मीडिया का जो नैरेटिव पिछले नौ सालों से चलता आ रहा है, उसके पीछे सिर्फ कुछ चेहरे मात्र हैं?

न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन (एनबीडीए) ने इंडिया गठबंधन के इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसकी तुलना इमरजेंसी के दौर से की है और कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया की दुहाई देने वाले इन दलों का यह फैसला क्या लोकतंत्र और पत्रकारों के सवाल उठाने के अधिकार के खिलाफ नहीं है।

इंडिया टीवी के चेयरमैन रजत शर्मा ने भी अपने ट्वीट और अपने कार्यक्रम में गठबंधन की ओर से किए गए इस फैसले को वापस लेने की अपील की है और कहा है कि टीवी एंकर्स अपने डीबेट शो के जरिये अपना काम कर रहे हैं और उनके करोड़ों दर्शक उनके साथ हैं।

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार जयशंकर गुप्त का भी मानना है कि इंडिया गठबंधन की ओर से एंकरों की सूची जारी कर उनके कार्यक्रमों का बहिष्कार करने का फैसला सही नहीं है, लेकिन साथ ही जयशंकर गुप्त ये सवाल भी उठाते हैं कि आखिर तमाम चैनलों ने लंबे समय से सरकार पर सवाल उठाने वाले राजनीतिक विश्लेषकों को बुलाने पर रोक क्यों लगा रखी है? वह मानते हैं कि गठबंधन का फैसला हड़बड़ी में लिया गया फैसला है क्योंकि एंकर्स का रिंग मास्टर कोई और होता है जो सत्ता की गोद में बैठा होता है।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष उमाकांत लखेड़ा भी विपक्षी गठबंधन के इस फैसले को सही नहीं मानते लेकिन वह उन चैनलों के एंकर और मालिकानों पर सवाल भी उठाते हैं कि जिस तरह सरकार से सवाल पूछने के बजाय एंकर्स विपक्ष पर एकतरफा तरीके से सवाल पूछते हैं और उन्हें अपनी बात तक कहने का मौका नहीं देते, उसे पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता।

दरअसल एंकर तो महज एक चेहरा है। बेहतर होता कि गठबंधन के नेता एंकरों की सूची जारी करने से पहले उन चैनलों के प्रबंधन को पत्र लिखकर अपनी बात रखते या अपनी आपत्ति दर्ज कराते। कुछ एंकरों की सूची जारी कर वो खुद कटघरे में खड़े हो गए हैं। यह जो भी स्थिति पैदा हुई है, बेशक वह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

एडिटर्स गिल्ड के प्रमुख सदस्य भारत भूषण फिलहाल मणिपुर पर जारी अपनी रिपोर्ट की वजह से अदालती दांवपेंच में उलझे हैं, एडिटर्स गिल्ड के चार सदस्यों (सीमा मुस्तफा, सीमा गुआ, भारत भूषण और दीपक कपूर) के खिलाफ मणिपुर हिंसा पर दी गई रिपोर्ट को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन वह भी कमोबेश यही राय रखते हैं कि विपक्षी गठबंधन को चंद एंकरों की सूची जारी करने के बजाय चैनलों के प्रबंधन और उनकी नीतियो पर सवाल उठाना चाहिए।

इस बारे में वह अपना विश्लेषण जल्दी ही विस्तार से लिखने वाले हैं। बेशक एडिटर्स गिल्ड के कुछ सदस्यों की राय में डिबेट शो में एंकर का हावी होना, विपक्ष पर आक्रामक होना, उन्हें बोलने न देना उचित नहीं है। इसके कारण चाहे जो हों, लेकिन मीडिया के गिरते स्तर के लिए ये स्थितियां जिम्मेदार हैं।

गौरतलब है कि 'इंडिया' गठबंधन की मुंबई बैठक के दौरान भी प्रेस वार्ता के दौरान जिस तरह अलग से राहुल गांधी, लालू यादव समेत कई नेताओं ने मीडिया से कहा था कि हम जानते हैं कि आप पर बहुत दबाव है, लेकिन आपको सच का साथ देना चाहिए और गठबंधन सरकार बनते ही मीडिया दबावमुक्त हो जाएगा और खुलकर अपना काम करेगा।

राहुल गांधी भी कई बार अपनी सभाओं और कार्यक्रमों में मीडिया की स्थिति पर बोला है और मीडियाकर्मियों को सच का साथ देने की अपील की है। पर जिस तरह गठबंधन की समन्वय समिति की शुरुआती बैठक में ही इस तरह का फैसला लेकर मीडिया को लेकर तैयार की जा रही 'इंडिया' की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं और इसके शीर्ष नेताओं पर यह जबाव पड़ने लगा है कि वह ऐसे फैसले को वापस लें अन्यथा आने वाले चुनाव में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इंडिया महागठबंधन की राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकती है आम आदमी पार्टी

ललित गर्ग

आज की राजनीति सत्ताकांक्षी अधिक है, जबकि उसका मूल लक्ष्य राष्ट्र-निर्माण एवं राष्ट्र उन्नति कहीं गुम हो गया है। हर राजनैतिक दल राष्ट्रहित नहीं, अपने स्वार्थ की सोच रहा है। जैसे-जैसे पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव एवं अगले वर्ष आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, हर दल येन-केन-प्रकारेण ज्यादा-से-ज्यादा वोट प्राप्त करने की तरकीबें निकाल रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के महागठबंधन 'इंडिया' के बनने से पहले ही उसमें सीटों एवं शीर्ष नेतृत्व को लेकर फूट, अलग सुर, ऊंची महत्वाकांक्षा और बेतरतीब तालमेल दिखने लगा हैं। इसमें सबसे ज्यादा अति-महत्वाकांक्षी आम आदमी पार्टी सेंध लगा रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में लगभग सभी सीटों से चुनाव लड़ने की उसकी घोषणा ने इंडिया में खलबली मचा दी है। निश्चित ही वर्तमान राजनीति परिवेश में आम आदमी पार्टी ने अपनी स्वतंत्र जगह बनाई है, भविष्य में यह दल प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आ जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

राजनीति में अक्सर यह कहा जाता है कि जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं। विपक्षी गठबंधन इंडिया की 14 सदस्यीय को-ऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक दिल्ली में बेनतीजा रही। इसमें नेतृत्व के मुद्दे और सीटों को लेकर फैसला लिया जाना था, उस पर अब भी आपसी सहमति नहीं बन पाई है। सहमति बनाना आसान भी नहीं दिख रहा है। महागठबंधन में सबकुछ ठीक दिख नहीं रहा है। कोलकाता में भी ममता दीदी को नेतृत्व करने के लिए आवाज उठ रही है। महागठबंधन में भले ही कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस साथ दिख रहे हों लेकिन कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ही ममता को राष्ट्रपति द्वारा दिए गए जी-20 के भोज में शामिल होने पर कटाक्ष कर चुके हैं। दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल के लिए आम आदमी पार्टी के नेता नेतृत्व की मांग कर चुके हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी राजस्थान में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर पहले ही महागठबंधन के अंदर की स्थिति को जगजाहिर कर चुकी है। हर राज्य में अमूमन कुछ न कुछ यहीं स्थिति है। ऐसे में महागठबंधन की राह आसान तो कतई नहीं है।

आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ सालों कई राज्यों तक अपना विस्तार कर लिया है। दिल्ली के बाद उसने पंजाब में सरकार बनाई है, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी किस्मत अजमाने के साथ इसी कड़ी में बिहार में भी चुनाव लड़ने जा रही है। असल में गतदिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने अपने बिहार के कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। उस बैठक के बाद ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बताया कि पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ेगी। उनके मुताबिक चुनाव लड़ने या ना लड़ने का सवाल ही नही उठता है, चुनाव में तो उतरना ही पड़ेगा। अब आम आदमी पार्टी के इन मंशाओं एवं घोषणाओं का इंडिया महागठबंधन पर असर होना स्वाभाविक है। आरजेडी नेता और सांसद मनोज झा ने दो टूक कहा है कि जिस समय विपक्षी एकता की नींव

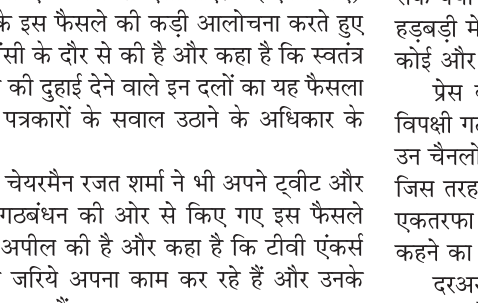

रखी गई थी, ये साफ किया गया था कि सभी पार्टियों को कुछ नियमों को पालन करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आम आदमी पार्टी भी उन सिद्धांतों का पालन करेगी। वैसे आम आदमी पार्टी के लिए बिहार कोई पहला राज्य नहीं है जहां वो दूसरे दलों के विरोध के बीच उतरने की बात कर रही हो।

कुछ दिन पहले ही आप संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने कहा था कि वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। दोनों ही राज्यों में उनकी तरफ से कांग्रेस पर निशाना भी साधा गया। इसी कड़ी में दिल्ली में कांग्रेस ने भी तल्ख तेवर दिखाते हुए कह दिया कि सातों सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। यानी कि हर तरफ इंडिया गठबंधन के लिए चुनौती वाली स्थिति बन रही है। अब आम आदमी पार्टी की मंशा यह भी है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में चुनाव न लड़े। विपक्षी गठबंधन की पटना बैठक के दौरान आप नेताओं ने अपने बयानों में इस बात का जिक्र भी किया था। आप नेताओं ने ऐसा करने पर कांग्रेस के साथ आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में सहयोग करने के लिए राजी होने के संकेत दिए थे, पर इस मसले पर कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग विचार हैं, जिसकी वजह से बात अभी तक नहीं बन पाई है। आप पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच अति महत्वाकांक्षी है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखी है, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। ऐसी महत्वाकांक्षी राजनीति के चलते इंडिया महागठबंधन के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन रही हैं। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। दिशाशून्य हुए विपक्षी नेतृत्व को नये मानदण्ड स्थापित करने होंगे।

बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा कहते हैं कि गठबंधन को सफल बनाने के लिए इसमें शामिल प्रत्येक राजनीतिक दल को तीन चीजों का त्याग करना होगा- महत्वाकांक्षा, मतभेद और मनभेद। पर खुद आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। जो राजनीतिक दल फर्जीवाड़े एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा। दरअसल गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां महत्वाकांक्षा को त्यागने के दावे तो बहुत करती हैं पर वास्तव में कोई तैयार नहीं होता है। इंडिया महागठबंधन में आम आदमी पार्टी सीटों के प्रश्न पर सबसे ज्यादा जड़ बनी हुई है। हरियाणा, दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की बढ़ती राजनीतिक इच्छाएं मुश्किल का सबब बन रही हैं। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी कोई भी अपना हित छोड़ने को तैयार नहीं है। दिल्ली-पंजाब और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की राज्य इकाइयां खुलकर आमने-सामने हैं। ऐसी स्थितियों में इंडिया का एजेंडा कैसे आगे बढ़ेगा? निश्चित ही इन स्थितियों में भारतीय जनता पार्टी की राह आसान होती हुई दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की इंडिया एवं आम आदमी पार्टी की इच्छा आकार लेती हुई दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। भले ही 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मोदी को चुनौती देने के लिए केजरीवाल खुले तौर पर इंडिया महागठबंधन में शामिल हो गए। लेकिन केजरीवाल के कई अगर-मगर हैं। वह खुद के बुते ही चुनाव लड़ने की मानसिकता के शिकार है। इसीलिये 'आप' रोजी-रोटी के मुद्दों और आम आदमी से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। केजरीवाल हिन्दू मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नरम हिन्दुत्व का खेल भी खेल रही हैं। केजरीवाल मुफ्त की पेशकश कर मतदाताओं को लुभाना चाहते हैं लेकिन उत्तर की रणनीति दक्षिणी राज्यों में कितनी कारगर हो सकती है, कहा नहीं जा सकता। आप की एक और दिक्कत है कि वह केजरीवाल तक ही केन्द्रित है। जबकि केजरीवाल को दूसरी पंक्ति के राज्य के नेताओं का निर्माण करने की जरूरत है। पार्टी के संस्थापक सदस्य जैसे कि प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव, शाजिया इलमी, कुमार विश्वास, आशुतोष और सिविल सोसायटी के सदस्य पिछले एक दशक में केजरीवाल की उच्चता का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी छोड़ चुके हैं।

भगवान गणेश क्यों वंदनीय हैं?

संस्कृत में एक श्लोक है- 'प्रसन्न वदनं ध्यायेत, सर्व विघ्नोप शान्तये', जिसका अर्थ है, जब आप शांतिपूर्ण और आनंदमय लोगों को याद करते हैं, तो सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। यही कारण है कि हर पूजा के आरंभ में भगवान गणपति का आह्वान किया जाता है। भगवान गणेश सर्वाधिक प्रसन्नचित्त देवता माने जाते हैं।

आदि शंकराचार्य ने अपने एक श्लोक अजम निर्विकल्पम में भगवान गणेश को अजन्मा, निराकार, गुणहीन, निर्विकल्प, चिदानंद तथा सर्वव्यापी ऊर्जा के रूप में वर्णित किया है, जो हर आनंद के आरंभ में उपस्थित हैं। वे न केवल आनंद में उपस्थित रहते हैं, बल्कि निरानंद में भी उपस्थित हैं।

संत ध्यान करते समय जिसका अनुभव करते हैं, वे वही शून्य स्थान हैं। वे सृष्टि के बीज हैं और ब्रह्मांड के सभी गणों के स्वामी हैं। वे एक सार्वभौमिक चेतना हैं, जिसे ज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

गणपति जीवन का आधार है इसीलिए ऋषियों ने साधारण लोगों के लिए गणेश चतुर्थी पर एक विशेष अनुष्ठान के आयोजन का सुझाव दिया ताकि वे गणपति के साकार रूप की पूजा के माध्यम से उनके निराकार स्वरूप तक पहुंच सकें। हम अपने हृदय में निवास करने वाले, सर्वव्यापी भगवान गणेश का पवित्र मंत्रों के साथ एक मूर्ति में आह्वान करते हैं। इस प्रकार मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। गणेश उत्सव समाप्त होने के बाद, हम भगवान से, हमारे हृदय में वापस आने की विनती करते हैं और फिर हम मूर्ति को, प्रेम के प्रतीक, जल में विसर्जित कर देते हैं। परमात्मा की पूजा कैसे करनी चाहिए और क्या भाव होना चाहिए ? मूर्ति को ईश्वर के रूप में देखें, न कि केवल एक मूर्ति के रूप में। तब हमारे हृदय में भक्ति खिलती है और हम स्वयं को शुद्ध भक्ति सागर में डुबाने में सक्षम हो पाते हैं।

बप्पा की पूजा में जरूर शामिल करें ये चीजें

इस साल 19 सितंबर को भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि है। चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित है। वैसे तो हर माह में दो चतुर्थी तिथि पड़ती है। एक शुक्ल पक्ष में और एक कृष्ण पक्ष में। लेकिन भाद्रपद माह के शुक्ल की चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था।

गणेश जन्मोत्सव के रूप में ये पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन से 10 दिन तक चलने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत होती है। चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश की पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से ज्ञान और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा गणेश जी की कुछ प्रिय चीजें हैं जिन्हें पूजा में जरूर शामिल करना चाहिए।

मोदक और लड्डू

गौरी पुत्र श्री गणेश को मोदक और लड्डू बेहद प्रिय है। लड्डू और मोदक के बिना गणपति बप्पा की पूजा अधूरी मानी जाती है। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी को मोदक और लड्डू का भोग जरूर लगाएं।

दूर्वा घास

दूर्वा घास गणेश जी को बेहद प्रिय है, इसलिए भगवान गणेश की पूजा में दूर्वा घास को जरूर शामिल करें। इससे गणपति बप्पा प्रसन्न होंगे और आपकी सभी मनोकामना पूरी करेंगे।

लाल फूल

लाल फूल भी गणेश जी को बेहद प्रिय है। इसके बिना बप्पा की पूजा अधूरी मानी जाती है। ऐसे में गणेश चतुर्थी पर श्री बप्पा को लाल फूल जरूर चढ़ाएं।

सिंदूर का तिलक

गणेश जी को सिंदूर बेहद पसंद है। इसके बिना विघ्नहर्ता गणेश की पूजा अधूरी मानी जाती है, इसलिए गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक जरूर लगाएं।

केला

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को केले का भोग जरूर लगाएं। हालांकि एक बात का ध्यान जरूर रखें कि एक केला चढ़ाने के बजाय इसे जोड़े में चढ़ाएं।

आज विश्वकर्मा जयंती

भगवान विश्वकर्मा की पूजाविधि, महत्व और शुभ मुहूर्त

विनोद शुक्ला

भगवान विश्वकर्मा को संसार का पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा पूजा के दिन विशेष तौर पर औजारों, निर्माण कार्य से जुड़ी मशीनों, दुकानों, कारखानों आदि की पूजा की जाती है। विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर, रविवार को है। शास्त्रों के अनुसार ब्रह्माजी ने इस संसार की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा ने इस संसार को सुंदर बनाने का काम किया। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म से वास्तुदेव उत्पन्न हुए। वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। भगवान विश्वकर्मा को संसार का पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा पूजा के दिन विशेष तौर पर औजारों, निर्माण कार्य से जुड़ी मशीनों, दुकानों, कारखानों आदि की पूजा की जाती है। इसके साथ ही साथ विश्वकर्मा जी को यंत्रों का देवता भी माना जाता है।

देवताओं के लिए बनाए अस्त्र-शस्त्र और नगर

हिंदू मान्यताओं के अनुसार प्राचीन काल में देवताओं के महल और अस्त्र-शस्त्र भगवान विश्वकर्मा ने ही बनाए थे इसलिए इन्हें निर्माण का देवता कहा जाता है। शास्त्रों में ऐसा भी कहा गया है कि ब्रह्माजी के निर्देश पर ही विश्वकर्मा जी ने इंद्रपुरी, त्रेता में लंका, द्वापर में द्वारिका एवं हस्तिनापुर, कलयुग में जगन्नाथपुरी आदि का निर्माण किया था। इसके अलावा श्रीहरि भगवान विष्णु के लिए सुदर्शन चक्र, शिव जी का त्रिशूल, पुष्पक विमान, इंद्र का व्रज को भी भगवान विश्वकर्मा ने ही बनाया था।

पूजाविधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनें। साथ ही सभी उपकरण, औजार, सामान, मशीन की भी साफ सफाई करें। फिर पूरी जगह गंगाजल से छिड़काव करें। पूजा के लिए सबसे पहले पूजा स्थल पर कलश स्थापित करें और फिर चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर विश्वकर्मा की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करें और माला पहनाएं। इसके बाद हाथ में फूल और अक्षत लेकर ध्यान करें। इसके बाद फूल अक्षत लेकर मंत्र पढ़ें और चारो ओर छिड़कें। इसके बाद सभी मशीन व औजार आदि पर रक्षा सूत्र बांधे और प्रणाम करें। फिर भगवान को फल, मिष्ठान आदि का भोग लगाएं। साथ में पूरे संस्थान और मशीन, औजार आदि चीजों की भी आरती करें।

पूजन में भगवान विष्णु का भी ध्यान करें और यज्ञ आदि का आयोजन करें। जहां पूजा कर रहे हों, उस परिसर में हर जगह आरती लेकर जाएं और भोग सभी में वितरण कर दें। पूजा के दौरान विश्वकर्मणे नमः मंत्र का यथाशक्ति जप करना चाहिए। पूजा के बाद भगवान विश्वकर्मा से सफलता की कामना करें। उसके बाद प्रसाद वितरित करें।

विश्वकर्मा पूजा का महत्व

श्रमिक वर्ग से जुड़े लोगों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। इस दिन सभी कारखानों और औद्योगिक संस्थानों में विश्वकर्माजी की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं साथ ही व्यापार में तरक्की और उन्नति प्राप्त होती है। इनकी पूजा करने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है और व्यापार या निर्माण आदि जैसे कार्यों में आने वाली सभी समस्याएं और रुकावटें दूर होती हैं। मान्यता के अनुसार भगवान विश्वकर्मा की पूजा से सुख-समृद्धि आती है।

विश्वकर्मा पूजा का शुभ मुहूर्त

वैसे तो भगवान विश्वकर्मा की पूजा दिन भर की जाएगी, लेकिन इनकी पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 17 सितंबर की सुबह 10 बजकर 15 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इस मुहूर्त में पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी।

हरतालिका तीज की पूजा में जरूर शामिल करें ये चीजें

हर साल भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है। इस साल 18 सितंबर को हरतालिका तीज का व्रत रखा जा रहा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ व्रत रखती हैं और पूजा करती हैं। वहीं कुंवारी लड़कियां भी अच्छे वर की कामना के साथ इस व्रत को रखती हैं। ये निर्जला व्रत होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से बहुत लाभ मिलता है। हरतालिका तीज के दिन महिलाएं पूजा से पहले सोलह श्रृंगार करती हैं। साथ ही पूजा के दौरान मां पार्वती को भी सुहाग का सामान अर्पित करती हैं। इस व्रत में कुछ खास चीजों का होना जरूरी होता है, क्योंकि इनके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।

हरतालिका तीज की तिथि- पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 17 सितंबर को सुबह 11 बजकर 08 मिनट से हो रही है। यह तिथि 18 सितंबर की दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि को देखते हुए हरतालिका तीज का व्रत 18 सितंबर 2023, सोमवार को रखा जाएगा।

हरतालिका तीज की पूजा पूजा सामग्री- सूखा नारियल, कलश, बेलपत्र, शमी का पत्ता, केले का पत्ता, धतूरे का फल, घी, शहद, गुलाल, चंदन, मंजरी, कलावा, इत्र, पांच फल, सुपारी, अक्षत, धूप, दीप, कपूर, गंगाजल, दूर्वा और जनेऊ आदि।

हरतालिका तीज की सुहाग सामग्री- हरतालिका तीज का व्रत देवी पार्वती ने शिव जी को अपने पति के रूप में पाने के लिए किया था। इसीलिए इस व्रत में सुहाग सामग्रियों का भी महत्व है। सुहाग की सामग्री में बिंदी, सिंदूर, कुमकुम, मेहंदी, बिछिया, काजल, चूड़ी, कंघी, महावर आदि को शामिल करें।

हरतालिका तीज व्रत नियम

- यह निर्जला व्रत होता है, इसलिए इस दिन गलती से भी पानी न पीएं
- प्रत्येक पहर में मां पार्वती और भगवान शंकर की पूजा और आरती करें।
- इस दिन घी, दही, शक्कर, दूध, शहद का पंचामृत चढ़ाएं।
- सुहागिन महिलाओं को सिंदूर, मेहंदी, बिंदी, चूड़ी, काजल सहित सुहाग पिटारा दें।
- अगले दिन भोर में पूजा करके व्रत का उद्यापन करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

वैश्विक नेताओं में सबसे लोकप्रिय पीएम मोदी: शाह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर वैश्विक नेताओं में सबसे उच्चतम रेटिंग मिली है। सर्वे एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट ने शुक्रवार को सर्वेक्षण जारी किया है। सर्वेक्षण के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने पीएम मोदी की सराहना की। उन्होंने इसे विदेश नीति में मोदी सिद्धांत की सफलता का प्रमाण बताया है। उन्होंने इसे अविभाजित उपलब्धियों की वैश्विक मान्यता बताया। गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि मॉर्निंग कंसल्ट सर्वेक्षण से पता चलता है कि वैश्विक नेताओं के बीच पीएम नरेंद्र मोदी जी की लोकप्रियता बेजोड़ है। यह सिर्फ विदेश नीतियों में मोदी सिद्धांत की सफलता का प्रमाण है। पीएम मोदी को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई है। यह पीएम मोदी की लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की निर्विवाद उपलब्धियों की वैश्विक मान्यता है। यह पीएम मोदी के अटूट प्रयासों का परिणाम है। यह लोगों की पीएम मोदी के प्रति अटूट विश्वास की वैश्विक मान्यता है।

पीएम का चुनाव सुनक नहीं देश की जनता करेगी: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कोई पार्टी इस तरह की रणनीतियों के पैंतरे आजमाती है तो हमें समझना चाहिए कि आगे क्या होने वाला है। उन्होंने कहा कि वैश्विक नेताओं में सबसे ऊपर मोदी का नाम है। कहा जा रहा कि ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक को पीछे छोड़ दिया। पर उनका चुनाव सुनक से नहीं होगा बल्कि देश की जनता से होगा। गौरतलब है, हाल ही में एक सर्वे सामने आया था, जिसमें दुनिया के नेताओं के बीच वैश्विक रेटिंग में पीएम नरेंद्र मोदी शीर्ष पर थे। इसी को लेकर कांग्रेस नेता ने पीएम पर हमला किया। उन्होंने कहा कि वोटर देश की जनता है न कि ऋषि सुनक या वहां के लोग पीएम को वोट देंगे। यह लोग ब्रिटेन की पीएम और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मुकाबला क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि यह साफतौर पर उनके डर को दिखाता है।

बिहार के शिक्षा मंत्री को तेजस्वी यादव की नसीहत

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर ने रामचरितमानस पर फिर एकबार विवादित टिप्पणी की है। जिसके बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गयी है। भाजपा ने शिक्षा मंत्री को पद से हटाने की मांग करते हुए हमला बोला है। जबकि महागठबंधन की घटक दलों ही अब शिक्षा मंत्री के बयान से खुद को किनारे कर रही है। वहीं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी मंत्री को नसीहत दे दी है। शिक्षा मंत्री प्रो चंद्रशेखर की ओर से रामचरित मानस पर फिर विवादित बयान आने के बाद उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उन्हें शिक्षा विभाग के कामों पर ज्यादा ध्यान देने की नसीहत दी है। राजद कोटे के मंत्री प्रो चंद्रशेखर ने हिंदी दिवस पर एक कार्यक्रम में रामचरित मानस को पोटेशियम साइनाइड की संज्ञा दी थी। इस पर जब तेजस्वी की प्रतिक्रिया ली गयी तो उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री को अपने विभाग पर ध्यान देने की जरूरत है, उन्हें बाकी मुद्दों को इग्नोर करना चाहिए। नकारात्मक बातों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए।

सरकार समय से पहले लोकसभा चुनाव करा सकती है: शशि थरूर

हैदराबाद। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के विपक्षी गठबंधन को घमंड गठबंधन बताने वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सत्ता का अहंकार तो झलक ही रहा है। इसलिए विपक्ष पर घमंड का आरोप लगाना थोड़ा अनावश्यक और व्यर्थ है। यह बात तो साफ है कि जो अहंकारी हैं, वे ही सत्ता में हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि स्पष्ट रूप से हमने गठबंधन को जो नाम दिया है, वह उनसे सहन नहीं हो रहा। इसलिए उनका गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसीलिए वे इस तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। संविधान में हमारे देश के दोनों नामों का जिक्र हैं, तो उनमें से किसी एक का उपयोग करने में क्या समस्या है? लोकसभा चुनावों की तारीखों को लेकर शशि थरूर ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव सामान्य समय पर होंगे जिसमें 6 से 9 महीने का समय है, लेकिन यह भी संभव है कि सरकार चुनाव पहले करा सकती है जैसा कि हम सुन रहे हैं। हमें जल्द से जल्द तैयार होने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे विश्वकर्मा योजना की शुरुआत

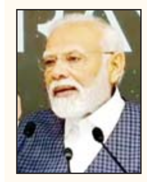

नई दिल्ली। परंपराओं, संस्कृतियों, स्थानीय उत्पादों, कला-शिल्प की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और कारीगरों व शिल्पकारों को कर्ज देने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 13,000 करोड़ रुपये आवंटित किए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्वकर्मा जयंती पर रविवार को इस योजना का शुभारंभ करेंगे। इसमें पारंपरिक शिल्पकारों व कारीगरों को तीन लाख रुपये का कर्ज दिया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक इस योजना का लाभ उन्हीं कारीगरों को मिलेगा, जिन्होंने बायोमीट्रिक आधारित पीएम विश्वकर्मा पोर्टल पर पंजीकरण करा रखा है। इन कारीगरों व शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और आईडी कार्ड के रूप में मान्यता मिलेगी। बढ़ई, लोहार, सुनार, राजमिस्त्री, नाई, धोबी, दर्जी, मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, मोची/जूता बनाने वाले कारीगर, खिलौना निर्माता, हथौड़ा और टूलकिट निर्माता व अन्य को लाभ मिलेगा।

बिहार में हर तरफ सिर्फ जंगलराज: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री बोले- जेडीयू-आरजेडी का मेल पानी और तेल की तरह

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बिहार के झंझारपुर में हैं। उन्होंने अपने संबोधन में विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि बिहार में जनता अराजकता और माफिया राज से त्रस्त है। उन्होंने कहा कि मैं बिहार की जनता का हृदय से धन्यवाद करना चाहता हूं। कुछ दिन पहले यहां लालू-नीतीश की सरकार ने फतवा जारी किया कि बिहार में रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की छुट्टी नहीं होगी। लेकिन बिहार की जनता ने इसके प्रति जो आक्रोश दिखाया, उससे इनका दिमाग ठिकाने आ गया। शाह ने कहा कि 2024 में चुनाव आने वाला है। मैं बिहार की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं कि 2014 में 40% वोट और 31 सीटों के साथ आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का काम किया। 2019 में 53% वोट और 39 सीटें देकर आपने फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाया।

भाजपा नेता ने कहा कि झंझारपुर की जनता जिस उत्साह के साथ मोदी जी के समर्थन में यहां आई है, उससे मुझे पूरा भरोसा है कि बिहार में 39 सीटों का रिकॉर्ड तोड़कर सभी 40 सीटें इस बार एनडीए और भाजपा जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि जी20 में जब हमारे प्रधानमंत्री दुनिया भर के अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच अफ्रीकन यूनियन को जी20 में शामिल करते हैं, तो हमारी छाती चौड़ी हो जाती है। उन्होंने कहा कि जी20 ने देश के गरीब, युवा और किसान के लिए अनेक मौके खोले हैं। जो डिक्लियरेशन हुआ है, वो भारत के आर्थिक विकास का नक्शा खींचने वाला है। दुनिया के सारे देश भारत के साथ व्यापार करने के लिए उत्साहित हैं और मोदी जी के नेतृत्व में वो भरोसा करते हैं कि आने वाले दिनों में भारत दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने चंद्रयान और जी20 के नेतृत्व के माध्यम से पूरे विश्व में भारत को एक मजबूत स्थान देने का काम किया है। मैं आप सबको बताना चाहता हूं कि जी20 में मधुबनी पेंटिंग और नालंदा विश्वविद्यालय का विशिष्ट स्थान नरेन्द्र मोदी जी ने सुनिश्चित किया। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में लालू-नीतीश जी की सरकार चल रही है। लेकिन यहां हर रोज अपहरण, गोलीबारी, लूट-खसोट, पत्रकारों एवं दलितों की हत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे मंत्री रहते हुए लालू जी ने अरबों का भ्रष्टाचार किया। ये यूपीए नाम के साथ नहीं आ सकते इसलिए, इन्होंने इंडिया गठबंधन

नाम रखा है, नाम कोई भी बदले यह वहीं लालू प्रसाद यादव है जिसने बिहार को सालों तक पीछे धकेलने का काम किया है। इस गठबंधन के लोग रामचरितमानस का अपमान कर रहे। शाह ने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ये जो स्वार्थी गठबंधन बना है, वो बिहार को फिर से जंगलराज की दिशा में ले जाने वाला है। लालू फिर से एक्टिव हो गए हैं, नीतीश इनएक्टिव हो गए हैं, तो आप समझ सकते हैं कि बिहार कैसे चलेगा।

अमित शाह ने लालू यादव पर हमला करते हुए कहा कि लालू जी आप दस साल तक केंद्र में मंत्री रहे लेकिन बिहार को क्या दिया। 10 साल में आपने सिर्फ 2 लाख करोड़ रुपया दिया। दरभंगा एम्स पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार के कारण ही साढ़े 12 करोड़ की लागत से बनने वाला एम्स का काम रुक गया। मैं नीतीश कुमार से कहा हूं कि एक बार एम्स के लिए, जो जमीन आपने दिया है उससे झुककर थोड़ा छूने की कोशिश कीजिए। सालों तक कांग्रेसियों और लालू ने राम मंदिर का काम रोक कर रखा। अब जब बन रहा है तो इनके पेट में दर्द हो रहा है। लेकिन जनवरी 2024 में राम लला अयोध्या में राम मंदिर में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में जंगलराज बढ़ता जा रहा है। अपराधी एक्टिव हो गए हैं। लालू अपने बेटे को सीएम बनाना चाहते है। उन्होंने कहा कि लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। मोदी फिर से पीएम बनने वाले हैं। पीएम का पद खाली नहीं है।

मोदी सरकार देश के किसानों क हर साल उनके खाते में 6 हजार रुपये दे रही है। देश की जनता को मुफ्त अनाज देने का काम मोदी सरकार ने किया। लालू यादव ने बिहार के किसानों को क्या दिया। अमित शाह ने कहा कि बिहार में मोदी सरकार 8 हजार करोड़ की लागत से 7 पुल बनवा रही है। बिहार में 2584 करोड़ की लागत से रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डों का निर्माण कराया जा रहा है। यहां तीन वंदे मेट्रो भी चलाए जाएंगे।

नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए अमित शाह ने कहा कि आपने प्रधानमंत्री बनने के लिए जो गठबंधन किया है वह आपको हाशिये पर ला देगा। अमित शाह ने कहा सीता मैया की भूमि पर आया हूं। यह जननायक कर्पूरी ठाकुर जैसे कई वीरों की भूमि है। इसी धरती ने दुनिया में मधुबनी पेंटिंग से न केवल मिथिलांचल बल्कि पूरे भारत की देश-देश तक पहुंचाई।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने झंझारपुर की रैली में आए लोगों को सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प दिलवाया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि रामचरित्र पर हमले को सहन नहीं किया जायेगा। नित्यानंद राय ने कहा कि अगर राम पर हमला हुआ तो ये कृष्णा के वंशज सहन नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे ने कहा कि देश के विकास के लिए बीजेपी को मौका दें। चौबे ने कहा कि घमंडिया गठबंधन का नाश होगा, एक बार फिर से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी। बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने झंझारपुर में कहा कि बिहार को जाति नहीं जमात चाहिए। अब बिहार को विकास की गति देने वाला नेता चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री के झंझारपुर आने से पहले बिहार के नेताओं ने बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री प्रो चंद्रशेखर के विवादित बयान पर जमकर आरजेडी और जदयू पर तंज कसा।बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री प्रो चंद्रशेखर के ने कुछ दिन पहले ही रामचरितमानस पर विवादित बयान दिया था। इसके बाद से वे विपक्ष के निशाने पर हैं। झंझारपुर में उनके बयान पर बीजेपी नेताओं ने तंज कसते हुए लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से इसपर सवाल कर रहे हैं। अमित शाह का एक साल में ये छठा बिहार दौरा है। उनके इस दौरे को 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। इससे पहले अमित शाह पटना, नवादा, लखीसराय, वाल्मिकी नगर और पूर्णिया का दौरा कर चुके हैं।

एंकरों के बहिष्कार को इंडिया ने बताया असहयोग आंदोलन

पवन खेड़ा बोले- यह स्थायी नहीं

नईदिल्ली। 14 एंकरों के कार्यक्रमों में शामिल न होने के इंडिया गठबंधन नेताओं के फैसले पर बहस के बीच, कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि यह स्थायी कॉल नहीं है। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने फैसले को संदर्भित करने के लिए बहिष्कार, ब्लैकलिस्ट और प्रतिबंध शब्दों को खारिज कर दिया और इसे असहयोग आंदोलन कहा। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने किसी पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, विपक्ष ने समाज में नफरत फैलाने वाले किसी के साथ सहयोग नहीं करने का फैसला किया है।

पवन खेड़ा ने भाजपा के सवाल का जवाब देते हुए कहा, हमने किसी पर प्रतिबंध नहीं लगाया है, बहिष्कार नहीं किया है या काली सूची में नहीं डाला है। यह एक असहयोग आंदोलन है, हम समाज में नफरत फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति का सहयोग नहीं करेंगे...वे हमारे दुश्मन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर उक्त मीडिया एंकरों को यह एहसास होगा कि वे जो कर रहे हैं वह भारत के लिए अच्छा नहीं है, तो वे फिर से उनके शो में भाग लेना शुरू कर देंगे क्योंकि कुछ भी स्थायी नहीं है। भाजपा ने कहा था कि मीडिया के बजाय विपक्ष को राहुल गांधी पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

इस बीच, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के शासनकाल के दौरान आपातकाल की ओर इशारा करते हुए कहा कि बहिष्कार और मीडिया सेंसरशिप का पता 1975 से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह नया नहीं है। यह आपके लिए एक रिहर्सल है। किसी भी कारण से, अगर कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है, तो मीडिया सेंसर हो जाएगा, लेकिन इसरो ने सही समय पर चंद्रयान बनाया है। मैं पूरे कांग्रेस को भेजूंगा। सरमा ने कहा, पार्टी चांद पर जाएगी, वहां सरकार बनाएगी...यह बचकाना है।

इंडिया गठबंधन की भोपाल में होने वाली रैली रद्द

भोपाल। राजधानी भोपाल में होने वाली इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन की पहली रैली रद्द हो गई है। शनिवार को पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि भोपाल में होने वाली रैली कैंसिल हो गई है। भोपाल में पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मीडिया के इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस गठबंधन की रैली को लेकर पूछे सवाल पर कहा कि रैली नहीं होने वाली है, रैली कैंसिल हो गई है। बता दें इससे पहले मध्यप्रदेश चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मीडिया के सवाल पर कहा कि हमारी बात चल रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बैठक है, उसके बाद रैली तय होगी। अभी रैली को लेकर कोई फाइनल नहीं है। इंडिया गठबंधन की कॉर्डिनेशन की दिल्ली में हुई बैठक में भोपाल में पहली रैली करना तय किया गया था। इसकी जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की तरफ से दी गई थी। यह रैली अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में होने की बात कही जा रही थी। हालांकि, अब रैली कैंसिल हो गई है।

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप फाइनल में आज होगी भारत-श्रीलंका की भिड़ंत

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच एशिया कप 2023 का मैच रविवार (17 सितंबर) को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच दोपहर 3.00 बजे शुरू होगा। हालांकि सह-मेजबान श्रीलंका, जो गत चैंपियन भी है, एशिया कप 2023 फाइनल में पहुंचने के लिए कभी भी प्रशंसकों का पसंदीदा नहीं रहा, लेकिन उन्होंने कुछ अविश्वसनीय प्रदर्शन करके कई भारत-पाक प्रशंसकों की उम्मीदों को कुचल दिया, जो भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मैच देखने की उम्मीद कर रहे थे।

श्रीलंका में मानसून की बारिश आयोजकों और प्रशंसकों के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है क्योंकि इसकी अत्यधिक संभावना है कि भारत बनाम श्रीलंका एशिया कप 2023 फाइनल मैच बारिश से प्रभावित होगा। कोलंबो से नवीनतम मौसम रिपोर्ट के अनुसार, रविवार (17 सितंबर) को श्रीलंका की राजधानी में बारिश की 90% संभावना है। अगर भारत बनाम श्रीलंका एशिया कप 2023 का फाइनल मैच रविवार (17 सितंबर) को बारिश के कारण रद्द हो जाता है, तो एसीसी ने एक रिजर्व डे (सोमवार, 18 सितंबर) रखा है। हालाँकि, अगर रिज़र्व डे पर भी बारिश होती है, तो भारत और श्रीलंका दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले से पहले दोनों टीमों को बड़े झटके लगे हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, अक्षर पटेल एशिया कप 2023 फाइनल खेलना छोड़ सकते हैं क्योंकि शुक्रवार को भारत बनाम बांग्लादेश मैच के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। वहीं श्रीलंका के लिए चिंता का विषय यह है कि फॉर्म में चल रहे ऑफ स्पिनर महेश थीक्षाना, जो इस साल वनडे में श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, दाहिनी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण फाइनल मुकाबले से बाहर हो गए हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

आवास ऋण को छत पर सौर ऊर्जा इकाई लगाने से जोड़ने की तैयारी में एसबीआई

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बहुपक्षीय एजेंसियों से जुटाई गई दीर्घकालिक जलवायु कार्रवाई निधि से वित्तपोषित आवासीय परियोजनाओं के लिए कर्ज आवंटन में छत पर सौर ऊर्जा इकाई की स्थापना को अनिवार्य बनाने की योजना बनाई है। एसबीआई ने जून में 6.3 लाख करोड़ रुपये का आवास ऋण स्वीकृत किया। बैंक पर विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और जर्मनी के केएफडब्ल्यू जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों का 2.3 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण बकाया है। एसबीआई के प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त संपत्ति) अश्विनी कुमार तिवारी ने कहा, यदि आवासीय परियोजना हमारे हरित कोष से वित्तपोषित है तो हम बिल्डरों के लिए छत पर सौर ऊर्जा इकाई लगाने को अनिवार्य बनाने की योजना बना रहे हैं।

आरआर केबल को 18 गुना से ज्यादा मिला सब्सक्रिप्शन

नईदिल्ली। बिजली के तार, स्विच, पंखे जैसे उत्पाद बनाने वाली आरआर काबेल के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को इन्वेस्टर्स की तरफ से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है और इसका आईपीओ 18 गुना से भी ज्यादा सब्सक्राइब किया गया। आरआर केबल शुरुआती शेयर बिक्री को शुक्रवार को सब्सक्रिप्शन के अंतिम दिन 18.69 गुना सब्सक्राइब किया गया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 1,964 करोड़ रुपये के आईपीओ में 3,17,737 शेयरों के मुकाबले 24,88,98,328 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। कंपनी के आईपीओ का 21 सितंबर को अलॉटमेंट फाइनल होगा। मनी कंट्रोल की खबर के मुताबिक, अगर लिस्टिंग गेन की बात की जाए तो 108 रुपये की ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से 10.43 फीसदी की लिस्टिंग गेन की उम्मीद है।

इंडियन बैंक ने लॉन्च किया 'आईबी साथी' पहल

नईदिल्ली। पब्लिक सेक्टर के इंडियन बैंक ने शनिवार को 'आईबी साथी' पहल शुरू करने की घोषणा की। बैंक ने बताया कि इस पहले को शुरू करने का फाइनैंशियल सेक्टर में सभी हितधारकों के लिए एक एंटिग्रेटेड इकोसिस्टम प्रदान करना है। इंडियन बैंक सस्टेनेबल एक्सेस ऐंड एलाइनिंग टेक्नोलॉजी फॉर होलिस्टिक इंक्लूजन सेवाओं के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के आसान बनाया जाएगा और इसके माध्यम से एक बेहतर यूजर्स एक्सपीरिएंस प्रदान करेगा। बैंक ने बताया कि इसमें ग्राहकों के लिए बुनियादी पेशकशें शामिल हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ एस एल जैन ने अपने कॉरपोरेट ऑफिस से इस पहल को लॉन्च किया। बता दें कि इस योजना की शुरुआत के साथ, इंडियन बैंक सभी सेंटर पर फिक्स्ड ब्रांचों में प्रति दिन कम से कम चार घंटे के लिए बुनियादी बैंकिंग सर्विस प्रदान करना चाहता है।

टेक म्यूजियम के निर्माण की योजना बना रही सरकार

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत की उभरती और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में एक 'टेक म्यूजियम' स्थापित करने की योजना बनाई है। आधिकारिक दस्तावेजों से यह जानकारी सामने आई है। केंद्र की प्रमुख निर्माण एजेंसी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने यमुना नदी के पश्चिमी तट पर विकसित किए जा रहे नव भारत उद्यान में अत्याधुनिक संग्रहालय की निर्माण योजना, डिजाइन और विकास पर परामर्श सेवाएं देने के लिए प्रस्ताव अनुरोध आमंत्रित किए हैं। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, 'टेक संग्रहालय' एक प्रमुख प्रदर्शनी स्थल होगा, जो आगंतुकों को भारत द्वारा इस्तेमाल की जा रही नवीनतम प्रौद्योगिकियों की बेहतर समझ प्रदान करने और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र की उपलब्धियों को लेकर उनमें गर्व की भावना पैदा करने पर केंद्रित होगा।

महंगाई काबू में तो क्या त्यौहारी सीजन में सुधरेगा बाजार का हाल?

अनिल तिवारी

देश का औद्योगिक उत्पादन पिछले पांच महीने के उच्चतर स्तर पर पहुंचा है, वहीं त्यौहारी सीजन के शुरू होते ही आम उपभोक्ताओं के लिए महंगाई के मोर्चे पर भी संतोषजनक खबर आई है। साग सब्जियों के दाम में नरमी बने रहने के कारण अगस्त में मुद्रास्फीति की दर घटकर 6.83 प्रतिशत पर आ गई है। हालांकि यह अब भी भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक चार प्लस माइनस दो के स्तर से मामूली ऊपर है, लेकिन राहत देने वाला है, क्योंकि पिछले महीने खुदरा महंगाई की दर डेढ़ साल के सर्वोच्च 7.44 प्रतिशत तक पहुंच गई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार खाद्य मुद्रास्फीति अगस्त महीने में 9.94 प्रतिशत रही जो इसके पिछले महीने जुलाई में 11.5 प्रतिशत थी। जानकारी के मुताबिक तेल और वसा उत्पादन के साथ-साथ मांस मछली अंडा चीनी कन्फेक्शनरी गैर अल्कोहलिक पेय पदार्थ फल तथा तैयार भोजन एवं नमकीन चिप्स आदि में भी सालाना आधार पर महंगाई के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है।

चालू महीने में महंगाई पर कमोबेश अंकुश लगा है तो औद्योगिक उत्पादन में बढ़त हासिल हुई है। एनएसओ के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के पहले 4 महीने, अप्रैल से लेकर जुलाई तक आईआईपी वृद्धि 4.8% रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 10% थी। मार्च 2020 से कोरोना महामारी के कारण परिस्थितियां असामान्य थी। लेकिन सरकार ने दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय देते हुए ठोस कार्य नीति के साथ बिजली उत्पादन में 8%, खनन उत्पादन में लगभग 11%, और उपयोग आधारित पूंजीगत वस्तुओं के मोर्चे पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है।

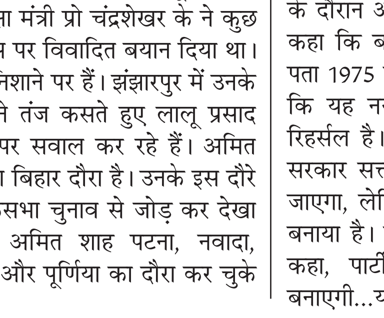

त्यौहारी सीजन में आम उपभोक्ताओं की बाजार में चहल-पहल अमूमन बढ़ जाती है। ऐसे में निश्चित रूप से महंगाई को काबू में रखना राहत देने वाली खबर है। हालांकि अभी भी यह बहुत खुश होने जैसी स्थिति नहीं है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ही निर्धारित दो प्रतिशत घट बढ़ के साथ 6% के दायरे से यह थोड़ा ऊपर है। इस महीने खाने-पीने की चीजों की दामों में कमी आई है।

लेकिन इससे इतर खाद्य वस्तुओं एवं सब्जियों की कीमतों को लेकर स्थानीय बाजारों का आकलन किया जाए तो सरकारी आंकड़ों से अलग तस्वीर उभरती है। आम उपभोक्ता आज भी जब सब्जी या फल की दुकान के सामने से गुजरता है तो पहले कसमसाता है और फिर अक्सर अपनी ही जेब टटोलता नजर आता है। आम आदमी की जेब अभी खुलकर खरीदारी करने की इजाजत नहीं दे रही है। खुदरा बाजार के ताजा आंकड़े संतोष दे रहे हैं, इसे आम उपभोक्ता के लिहाज से अच्छा माना जा रहा है लेकिन अभी सुधार की जरूरत है। हर घर की रसोई में इस्तेमाल किये जानेवाले खाद्य तेल के दाम में कुछ नरमी आई है लेकिन आटा, चावल, मसाला, दाल, सब्जियां इन सबकी कीमतें चुपचाप धीरे-धीरे बढ़ती ही जा रही है।

कीमतों को काबू करने के प्रयास के तहत सरकार ने गेहूं चावल का भंडार खुले बाजार में जारी करने, चीनी के निर्यात पर रोक लगाने और दलहन, तिलहन के आयात की अनुमति देने जैसे अनेक कदम उठाए हैं। महंगाई दर पर इसका सीधा असर दिख रहा है। बाजार विशेषज्ञ भी आशा व्यक्त कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में महंगाई की दर और अधिक काबू में आएगी।

ऐसे में महंगाई को काबू में रखने से इस वर्ग में भरोसा पैदा हुआ है। कम बजट के बावजूद यह वर्ग बाजार तक पहुंच रहा है, जिससे कारोबारी गतिविधियां बढ़ने की आशा जगी है। भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए स्थानीय बाजार में जरूरी मांग की आवश्यकता होती है और अगर महंगाई दर काबू में रही तो निश्चित रूप से लोग बाजार की गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। मालूम हो कि जल्दी ही शुरू होने वाले नवरात्र से लेकर होली तक किसी न किसी बहाने बाजार में खरीदारी आती है। कोरोना के बाद जो लोग हाथ बांधकर बैठे रहे अगर वे खुलकर बाजार में आ जाते हैं तो हमारी अर्थव्यवस्था को भी बड़ी मजबूती प्राप्त होगी।

कही-सुनी

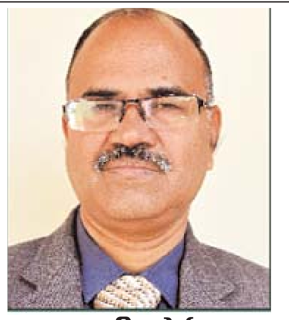

रवि भोई

भाजपा-कांग्रेस के टिकट वितरण में देरी

कहा जा रहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट सितंबर के पहले हफ्ते में आ जाएगी और भाजपा की दूसरी लिस्ट भी 15 सितंबर तक आ जाएगी। लगता है दोनों पार्टियों का लक्ष्य फेल हो गया। कहते हैं टिकटों को लेकर कांग्रेस में घमासान मच गया है और अब चुनाव की घोषणा के पहले कांग्रेस के प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने वाला है। कांग्रेस में टिकटों को लेकर पुराने और दिग्गज लोगों में कोई समस्या नहीं है। नए खिलाडियों को लेकर ज्यादा समस्या है। माना जा रहा है कि पहली बार एमएलए बने ज्यादातर लोग हिट विकेट न हो जायं ,इसकी चिंता पार्टी को सता रही है। तो भाजपा में दिग्गजों को लेकर समस्या बताई जा रही है। माना जा रहा है भाजपा की दूसरी लिस्ट अब लोकसभा के विशेष सत्र के बाद या चुनाव की घोषणा के बाद ही आए।

भाजपा के बड़े नेताओं के चुनाव लड़ने की खबर

पहले चर्चा थी कि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के टिकट काटकर नए चेहरों को ही मैदान में उतारेगी। अब ऐसी खबर है जीत सकने वाले पुराने लोगों को भी मैदान में उतारा जा सकता है। कहा जा रहा है कि भाजपा हर हाल में छत्तीसगढ़ में सत्ता चाहती है। राजनांदगांव से डॉ रमनसिंह, रायपुर दक्षिण से बृजमोहन अग्रवाल,कुनकुरी से विष्णुदेव साय,नारायणपुर से केदार कश्यप, जांजगीर से नारायण चंदेल, बिलासपुर से अमर अग्रवाल का चुनाव लड़ना तय बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि सरोज पांडे और ओपी चौधरी को भी विधानसभा चुनाव लड़ाया जाएगा। कहाँ से लड़ाया जाएगा, यह अभी तय नहीं है। इसके अलावा और भी कई दिग्गज चुनाव लड़ सकते हैं।

15 -16 पुलिस अफसर ईडी के निशाने पर

खबर है कि राज्य के 15 -16 पुलिस अफसर महादेव ऐप के कर्ताधर्ता की शादी में शरीक होने के लिए दुबई गए थे। ये अब ईडी के निशाने पर आ गए हैं। महादेव ऐप के किंग की शादी का वीडियो आजकल राज्य भर में खूब वायरल हो रहा है। चर्चा है कि महादेव ऐप के किंग अपनी शादी में पानी की तरह पैसा बहाया। लाने-ले-जाने और ठहराने के अलावा लाखों के रिटर्न गिफ्ट भी दिए। कहते हैं ऑनलाइन सट्टा किंग की शादी में बॉलीवुड की कई हस्तियां भी शामिल हुई थीं। ईडी ने होटल और टिकट बुक कराने वालों को दबोचकर करीब 471 करोड़ की जब्ती बना लेने से मामला बड़ा पेचिदा हो गया है और सुर्खियों में भी आ गया है।

परिवर्तन यात्रा के बहाने भाजपा की चुनावी कवायद

2023 के चुनावी शंखनाद के लिए भाजपा ने दंतेवाड़ा और जशपुर से पिछले हफ्ते चुनावी यात्रा निकाली है। दंतेवाड़ा की यात्रा को हरी

झंडी दिखाने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के न आने से शो कुछ फीका पड़ गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का आगमन असरकारक नहीं रहा, पर कहते हैं इस कमी को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने जशपुर में पूरी कर दी। अब देखते हैं परिवर्तन यात्रा भाजपा के लिए संजीवनी बूटी बनती है या फिर कड़वी गोली। कांग्रेस ने भी 2013 के चुनाव के पहले परिवर्तन यात्रा निकाली थी। तब तो उसे सफलता नहीं मिली थी, पर 2018 में बंफर सीटें मिली।

पीएम मोदी का अगला छत्तीसगढ़ दौरा 28 सितंबर को

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 सितंबर को बिलासपुर आएंगे और वे वहां एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री 14 सितंबर को रायगढ़ आए थे और वे वहां कोड़ातराई में सरकारी कार्यक्रम के साथ एक सभा को भी संबोधित की थी। कहते हैं भारी बारिश के बावजूद पीएम की सभा में अच्छी

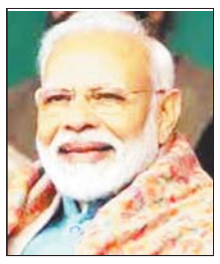

खासी भीड़ आई थी। भीड़ का आलम यह था कि कई किलोमीटर तक जाम लग गया था और कई वीआईपी को भीड़ में अपना वाहन छोड़कर कुछ दूरी तक पैदल चलकर दूसरे वाहन की व्यवस्था करनी पड़ी। चर्चा है कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की गाड़ी भी जाम में फंस गई थी और कुछ दूर तक पैदल चलने के बाद एक कांग्रेसजन की गाड़ी से अपने गंतव्य तक जाना पड़ा।

पुलिस की हरकत से लोग भौंचक

विधानसभा चुनाव की घोषणा से छत्तीसगढ़ की पुलिस की नाकेबंदी और पैसों की जब्ती से लोग भौंचक हैं। कहीं साड़ी जब्त करने की खबर आ रही है तो कहीं नोटों की गड्डी। आमतौर पर चुनाव आचार सहिंता लागू

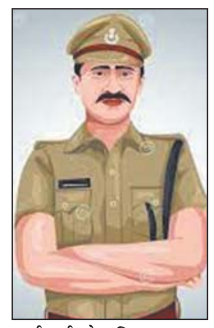

होने के बाद पुलिस के जिम्मे यह काम आता है। इस बार पुलिस प्रो एक्टिव होकर काम कर रही है, उसने चुनाव आयोग के फरमान का इंतजार तक नहीं किया। फिलहाल पुलिस की इस कार्रवाई के शिकार ज्यादातर व्यापारी हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के बैनर तले व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल पिछले दिनों राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले से मिलकर व्यथा व्यक्त की और पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया है। वैसे भी चर्चा है कि छत्तीसगढ़ की पुलिस कानून-व्यवस्था को सुधारने की जगह मौके की तलाश में रहती है। शहरों की बिगड़ैल ट्रैफिक व्यवस्था को छोड़कर वाहन चालकों को दबोचने में ऊर्जा लगा देती है। मानो ऐसा लगता है नींद से जागकर काम कर रही हो। लोग कह रहे हैं अबकी बार पुलिस के टारगेट में व्यापारी आ गए हैं।

अध्यक्षविहीन लोक सेवा आयोग

छत्तीसगढ़ की संवैधानिक संस्था लोक सेवा आयोग फिलहाल बिना अध्यक्ष के चल रहा है। टामनसिंह सोनवानी का कार्यकाल खत्म होने के एक हफ्ते बाद भी सरकार ने किसी को लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नहीं बनाया है और न ही किसी को प्रभार दिया है। लोक सेवा आयोग में अभी डॉ प्रवीण वर्मा और डॉ सरिता उइके सदस्य हैं। इनमें से भी किसी को प्रभार नहीं दिया गया है। अब देखते हैं किसी सदस्य को कामचलाऊ प्रभार दे दिया जाएगा या फिर नई नियुक्ति की जाएगी, पर एक हफ्ते तक तो पीएससी बिना कप्तान के चला। वैसे छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयुक्त और लोक आयोग के अध्यक्ष कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी अस्थायी व्यवस्था के तहत चल रहे हैं। राज्य सूचना आयोग भी बगैर प्रमुख सूचना आयुक्त के चल रहा है।

योग को चमकाते ज्ञानेश शर्मा

कांग्रेस नेता ज्ञानेश शर्मा ने बतौर योग आयोग अध्यक्ष शहर-दर-शहर और बाग़-बगीचों से लेकर मोहल्लों में योग को नया आयाम देने का काम किया है। रायपुर शहर में

ही सुबह-सुबह लोगों को योग मैट के साथ जगह-जगह देखा जा सकता है। पिछले हफ्ते राजधानी में 1500 से अधिक लोगों ने एकसाथ योग के सेतुबंध आसान कर नया रिकार्ड बनाया। कहते हैं यह रिकार्ड गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया है। माना जाता है कि बाबा रामदेव के कारण लोगों में योग के प्रति रूचि जागी। अब ज्ञानेश शर्मा रूचि को विस्तार देने का काम कर रहे हैं और सीमित साधनों से योग जमीन में फैलाने और नई ऊंचाई देने के लिए प्रयासरत हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक हैं।)

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजपा के दबाव में आरक्षण विधेयक रूका हुआ है: बैज

रायपुर। आरक्षण संशोधन विधेयक को राजभवन में 9 महीनों से अटका हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि अभी तक राजभवन ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया है। प्रदेश में चुनावी दौरे पर भाजपा के बड़े-बड़े

नेता आ रहे प्रधानमंत्री, भाजपा अध्यक्ष से लेकर केंद्रीय मंत्री तक आ रहे लेकिन राजभवन में रूके आरक्षण बिल पर सब मौन है। भाजपा के कारण आरक्षण बिल राजभवन में रूका हुआ है। भाजपा के आरक्षण विरोधी रवैय्ये को कांग्रेस जनता के बीच लेकर जायेगी। भाजपा आरक्षित वर्ग के गरीबों के हितों में बाधक बनी हुई है। आरक्षण संशोधन विधेयक में आदिवासी समाज के लिये 32 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। आरक्षण विधेयक राजभवन में रुका है तो इसका खामियाजा आदिवासी समाज को सबसे ज्यादा हो रहा। कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार से मांग करती है वह हस्तक्षेप कर आरक्षण विधेयक पर राज्यपाल को हस्ताक्षर करने को कहे। भाजपा अपने राजनैतिक हितों के लिये प्रदेश की जनता के हितों में बाधा पैदा कर रही है। कांग्रेस सरकार द्वारा पारित करवाये गये आरक्षण संशोधन विधेयक में ओबीसी के लिये भी 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ओबीसी वर्ग से आते है लेकिन ओबीसी वर्ग के हितों के खिलाफ जाकर वे लोग भी आरक्षण विधेयक को राजभवन में रोकवाये है।

भाजपा अब युवा संवाद कार्यक्रम को जी-20 बताकर नरेंद्र मोदी के झूठ पर पर्दा डाल रहे: ठाकुर

रायपुर। भाजपा के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम

रायगढ़ में नरेंद्र मोदी ने वॉय्-20 (युवा संवाद) नही कहा बल्कि जी-20 का जिक्र किया। भाजपा नेताओं को नरेन्द्र मोदी के भाषण को फिर से सुनना चाहिये प्रदेश की जनता ने मोदी के भाषण को सुनकर आश्चर्य व्यक्त किया है। जनता की प्रतिक्रिया रही है कि जी-20 का कार्यक्रम 18 और 19 सितंबर को होना तय हुआ है और नरेन्द्र मोदी कहते है जी-20 कार्यक्रम सफल रूप से संपन्न हो गया।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 25 फरवरी को आईआईएम रायपुर के परिसर में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को जी-20 कार्यक्रम बताकर नरेंद्र मोदी के द्वारा मंच से परोसी गई झूठ को सच बताने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी के झूठ को छुपाने के लिए भाजपा नेता सामूहिक झूठ बोल रहे हैं जो भाजपा का असल चरित्र और संगठनात्मक गुण भी है। भाजपा नेता एक झूठ को कई बार बोलकर सामुहिक रूप से बोलकर सच ठहराने की कोशिश करते है लेकिन वो भूल जाते है कि जनता समझदार है पढ़ी लिखे है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार की जन कल्याणकारी योजनओं एवं वादा निभाने के प्रतिबद्धता के आगे भाजपा राजनैतिक रूप से बौना साबित हो गयी है।

जनता ने 5 साल पहले ही परिवर्तन कर दिया : भंसाली

रायपुर । कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता नितिन भंसाली ने परिवर्तन यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने 5 साल पहले ही परिवर्तन कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के

नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर जनता के हित में सकारात्मक परिणाम दिए हैं। भाजपा को अपने भीतर परिवर्तन लाने की जरूरत है लेकिन कभी भाजपा आम जनता के भले की सोच ही नहीं सकती। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के सकारात्मक परिवर्तन का काम किया है। भाजपा फिर से भ्रष्टाचार करने, घोटाले करने, कमीशनखोरी करने, जनता को लूटने के लिए सत्ता के परिवर्तन की विफल कोशिश कर रही है जिसमे उसका स्वार्थ कभी पूरा नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ की जनता आज खुशहाल है। वह भाजपा को फिर से छत्तीसगढ़ को लूटने का मौका नहीं देगी। भाजपा को परिवर्तन यात्रा नहीं, बल्कि प्रायश्चित यात्रा निकाल कर प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में भाजपा के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मुकाबला कर सके या उनके कद का हो। भाजपा के पास छत्तीसगढ़ में कोई चेहरा नही है इसलिए विगत लगभग चार महीनों से दर्जनों केंद्रीय मंत्री, प्रधानमंत्री और भाजपा का तथाकथित चाणक्य अमित शाह प्रदेश में दौरा कर रैलियां करने की कोशिश कर चुके है।

छत्तीसगढ़ में फिर एक बार ट्रेन रद्द, प्रदर्शन का कोई असर नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 16 ट्रेनों को फिर से रद्द कर दिया है। कटनी रूट पर चलने वाली यात्री ट्रेनों को 16 सितंबर से 30 सितंबर तक कैंसिल किया है। इस रूट पर चलने वाली बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस, कटनी-चिरमिरी मेमू स्पेशल समेत चार ट्रेनों को 16 सितंबर से 18 अक्टूबर तक एक माह के लिए कैंसिल कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बताया गया है कि, पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में सुरक्षा से संबंधित काम होगा। साथ ही उत्तर मध्य रेलवे के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन में वाशेबल अप्रोन का काम 16 सितंबर से 35 दिनों तक चलेगा। जिसके कारण कुछ यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। 16 सितंबर से 18 अक्टूबर तक बिलासपुर से चलने वाली 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 16 सितंबर से 19 अक्टूबर तक कटनी से चलने वाली 06617 कटनी-चिरमिरी मेमू स्पेशल रद्द रहेगी। 17 सितंबर से 20 अक्टूबर 06618 चिरमिरी-कटनी मेमू स्पेशल रद्द रहेंगी। 18 सितंबर से 20 अक्टूबर 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 16, 18, 21, 23, 25 एवं 28 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 12823 दुर्ग-निज़ामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 17, 19, 22, 24, 26 एवं 29 सितंबर को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 12824 निज़ामुद्दीन-दुर्ग संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 19 एवं 26 सितंबर को दुर्ग से चलने वाली 12549 दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 21 एवं 28 सितंबर को उधमपुर से चलने वाली 12550 उधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 16 एवं 28 सितंबर को कोरबा से चलने वाली 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

भाजपा की मानसिकता हिंदू विरोधी: वंदना राजपूत

रायपुर। तीजा के समय फिर से 16 यात्री ट्रेनों को रद्द कर देने से नाराज प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने केंद्र सरकार तीखा प्रहार करते हुए कहा कि केंद्र की सरकार हिंदू की

संस्कृति, हिंदू परंपरा को तोड़ने के प्रयास लगातार कर रहे हैं, राखी का त्यौहार, तीजा का त्यौहार, नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, छोटी दीपावली का त्यौहार यह सारे त्यौहार आने पर ही यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया जाता है। क्या हिंदुओं के यह त्योहार से भाजपा के नेताओं को चिढ़ है? छत्तीसगढ़ में 15 साल के शासन में पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री रमन सिंह को छत्तीसगढ़ की संस्कृति, छत्तीसगढ़ की परंपरा, छत्तीसगढ़ के रीति रिवाज से चिढ़ थी, वैसे ही व्यवहार केंद्र में बैठी भाजपा सरकार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि तीजा का त्यौहार छत्तीसगढ़ की एक मुख्य त्यौहार है तीजा के एक दिन पहले महिलाएं मायके में कड़ू भारत खाकर दूसरे दिन निर्जला उपवास रखती है, शंकर भगवान एवं पार्वती माता की पूजा अर्चना करके रात भर जागरण करते हैं, फिर अगले दिन माता-पिता के आशीर्वाद से नई साड़ी पहन कर फलाहार व्रत करके उपवास को तोड़ती है। तीजा के समय फिर से अचानक बिना कारण के 16 ट्रेन रद्द कर दी गई है। यात्री ट्रेन के रद्द होने से महिलाएं अपने मायका नहीं जा पा रही है क्योंकि गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए ट्रेन ही सुलभ एवं सस्ता साधन का पर्याय माना जाता था।

विजय बघेल की अध्यक्षता में बने विभागवार 15 उपसमिति

रायपुर। बीजेपी घोषणा पत्र समिति की बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश संयोजक विजय बघेल के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में समिति के कार्यों की समीक्षा की गई साथ ही समिति के कार्यों का विस्तार भी किया गया। बैठक में घोषणा पत्र समिति को विस्तार देते हुए विभागवार 15 उपसमिति समिति बनाएं है। समिति के सदस्य सचिव पंकज झा होंगे। बैठक में घोषणा पत्र समिति में डॉक्टर सलीम राज को नए सदस्य के रूप में व समिति के प्रचार प्रसार तकनीकी सहायता आदि के लिए प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अनुराग अग्रवाल, सोशल मीडिया संयोजक सोमेश पांडे आई टी विभाग सुनील पिल्लई को दायित्व दिया गया है। बैठक में अभी तक हुए कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। प्रदेश संयोजक विजय बघेल, सहसंयोजक अमर अग्रवाल, रामविचार नेताम, शिवरतन शर्मा व वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर साहू द्वारा 65 विधानसभा में जाकर समाज के विभिन्न वर्गों से मिलकर घोषणा पत्र हेतु एकत्र किए गए सुझाव की जानकारी दी गई। भाजपा प्रदेश घोषणा पत्र समिति को अभी तक व्हाट्सएप एवं मेल आईडी में सभी विधानसभा की सुझाव पत्रिका में से लगभग 135000 सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में सुझाव को विभागवार अलग-अलग करने का कार्य प्रारंभ हो गया है। उप समिति पूरे प्रदेश में 16 सितंबर से 30 सितंबर तक अपने विभाग के अनुसार आम जनता से मिलकर उनके सुझाव लेंगे। घोषणा पत्र समिति द्वारा बनाए गए उप समिति है - कृषि, कृषक कल्याण एवं जल शक्ति, सहकारिता, में चंद्रशेखर साहू को संयोजक एवं संदीप शर्मा, आत्मानारायण पटेल को सदस्य बनाया गया है। इसी तरह पंचायत और ग्रामीण विकास में रामविचार नेताम को संयोजक एवं भरत वर्मा, रामकुमार भट्ट विक्रम शाह को सदस्य, शहरी विकास और इन्फ्रास्ट्रक्टर में मधुसूदन यादव को संयोजक व रणविजय सिंह केदार नाथ गुप्ता को सदस्य, समाज कल्याण संयोजक सुश्री लता उसेंडी व विभा अवस्थी को सदस्य, ओबीसी भैयालाल रजवाड़े संयोजक व दीपक साहू, रामकृष्ण धीवर सदस्य, एससी संयोजक कमलादेवी पाटले व सदस्य डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, रामकुमार भट्ट को सदस्य बनाया गया है। एसटी संयोजक महेश गागड़ा व सदस्य कमलभान सिंह, रामलखन पैकरा, शासकीय कर्मचारी और अधिकारी ओपी चौधरी संयोजक व पंकज झा एवं विजय शंकर मिश्रा को सदस्य बनाया गया है। युवा कल्याण और खेल रवि भगत संयोजक, टिकेश्वर जैन, विक्रम शाह सदस्य, महिला एवं बाल विकास श्रीमती रंजना साहू संयोजक, श्रीमती चंपादेवी पावले, विभा अवस्थी सदस्य, स्वास्थ्य डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी संयोजक, डॉ. विजय शंकर मिश्रा सदस्य, वित्त आंकलन अमर अग्रवाल संयोजक, केदारनाथ गुप्ता एवं रणविजय सिंह सदस्य, शिक्षा, मीडिया एवं संचार शिवरतन शर्मा संयोजक एवं चंद्रशेखर साहू एवं पंकज झा को सदस्य बनाया गया है। व्यवसाय, फूटकर व्यवसायी केदारनाथ गुप्ता संयोजक, ड्राफ्ट समिति पंकज कुमार झा संयोजक, शिवतरन शर्मा व चंद्रशेखर साहू सदस्य बनाए गए है। सभी 15 उपसमितियां पूरे प्रदेश में प्रवास कर 90 विधानसभा में विषयवार आम जनता से सुझाव प्राप्त करेंगे।

हार के भय से बौखलाई कांग्रेस प्रधानमंत्री पर गलत आरोप लगा रही है: चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस सत्ता से बेदखल होने के भय से बौखला गई है। रायगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम को लेकर पहले तो अफवाह फैलाई गई कि मोदी जी नहीं आ रहे। कार्यक्रम वर्चुअल होगा। लेकिन जब भारी बारिश के बावजूद लाखों लोग मोदी जी को सुनने आए और मोदी जी ने कांग्रेस, कांग्रेस की देश विरोधी नीतियों और कांग्रेस की भ्रष्ट, निकम्मी, घोटालेबाज छत्तीसगढ़ सरकार की असलियत बयां करते हुए कांग्रेसी करतूतों की धज्जियां उड़ा दीं तो कांग्रेस की बौखलाहट और बढ़ गई। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के वक्तव्य पर झूठे आरोप लगाने से भी कांग्रेसी नहीं चुके। कांग्रेस के साथियों की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा

कि जी-20 के यूथ इमेज में विंग का कार्यक्रम नवारायपुर में 25 फरवरी 2023 को हो चुका है। उस कार्यक्रम में 25 देशों के युवाओं के शामिल होने के फोटोग्राफ उपलब्ध हैं। सोशल मीडिया पर पूरे तथ्य मौजूद हैं। इस सबको देखकर कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं। कांग्रेस की इस तरह की हरकतों से उसे बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विकास विरोधी है। देश विरोधी ताकतों का खिलौना है। भारत विरोधियों से चंदा लेने में कांग्रेसी शर्म नहीं करते। इसलिए कांग्रेस को भारत के वैश्विक गौरव में वृद्धि करने के मोदी जी के प्रयास नागवार गुजरते हैं। सारी वैश्विक महाशक्तियां भारत और मोदी जी की तारीफ करते हुए जी 20 सम्मेलन से लौटीं। कांग्रेस इधर छाती पीट रही है। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस विदेश में जाकर भारत की आलोचना करती है। भारत में कांग्रेस को जितनी राजनीति करनी है, वह मैदानी मुकाबला करे। लेकिन विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ इसलिए बोला जाता है क्योंकि कांग्रेस मोदी जी को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।

मोदी जी के विरोध में कांग्रेस इस स्तर पर पहुंच गई है कि वह भारत विरोधी बातें करने में संकोच नहीं करती। छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी भी यही कह रहे हैं और कर रहे हैं। वह छत्तीसगढ़ के स्तर पर झूठ का पुलिंदा लेकर घूमते हैं और उनके नेता राहुल गांधी यही काम विदेशी धरती पर करते हैं।

बंगाली समाज ने कांग्रेस विधायक के खिलाफ खोला मोर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ बंगाली समाज ने कांग्रेस विधायक अनूप नाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है,समाज को लेकर दिए गए बयान से समाज नाराज है और एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने समाज की ओर से चेतावनी देते हुए चुनाव में बहिष्कार की चेतावनी तक दे डाली है। वहीं उन्होने इस बात को लेकर भी नाराजगी जाहिर

की है कि बंगाली बाहुल्य क्षेत्र में बंगला भाषा की कक्षा प्रारंभ करने की मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी जिसकी फाइल अधिकारियो ने दबा दी है। यदि चुनाव से पहले यह क्रियान्वित नहीं हुआ तो बस्तर से लेकर सरगुजा तक चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा जिसका खामियाजा कांग्रेस पार्टी को उठाना पड़ेगा।छत्तीसगढ़ बंगाली एसोसिएशन के अध्यक्ष अरूण भद्रा,सचिव देवाशीष राय व नमोशुद्र कल्याण समिति के अध्यक्ष मनमथ विश्वास ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में कहा कि जिस बंगाली समुदाय के वोट से अनूप नाग अंतागढ़ से विधायक चुने गए और वहीं कह रहे हैं कि बंगाली समुदाय जिसे किसी देश ने स्वीकार नहीं किया उन्हे भारत ने स्वीकार किया। क्या भारतवासी बंगाली हिंदू अपने देश में शरण नहीं लेंगे, तो क्या दूसरे राष्ट्र जायेंगे।

भूपेश बघेल हैं जहां, झूठ ही झूठ है वहां: सरोज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सांसद सरोज पांडेय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चुनौती देते हुए कहा है कि वह जो भी बोलते हैं, झूठ बोलते हैं। जो कह रहे हैं, वह शपथ पत्र देकर कहें। जनता उनकी किसी भी बकवास पर भरोसा नहीं करती क्योंकि जहां भूपेश हैं वहां झूठ ही झूठ है। भूपेश बघेल मानसिक दिवालियापन के शिकार हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी के विरुद्ध आरोप लगाते हुए जिस तरह का राजनीतिक विष वमन किया है, वह कांग्रेस के भूपेश बघेल जैसे लोग ही कर सकते हैं। इनमें न तो विवेक है और यदि लेशमात्र हो भी तो उसका इस्तेमाल नहीं करना जानते। कांग्रेस के पास न नीति है न नीयत है। ये सिर्फ लूटना जानते हैं। इसीलिए झूठे वादे करके सत्ता में आये और 36 वादों में से एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कांग्रेस के रेल रोको आंदोलन पर

प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तयशुदा हार से घबराकर भूपेश बघेल के कहने पर कांग्रेसी जिन मुद्दों पर रेल रोकने निकले थे, उनके बारे में मैंने पहले से ही विस्तार से सारी जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ की जनता को अवगत करा दिया है। कांग्रेस झूठे आरोप लगाती है क्योंकि वह छत्तीसगढ़ में अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। इस राज्य में उसका अस्तित्व समाप्त होने की स्थिति में है। कांग्रेस की सरकार अंतिम सांसें गिन रही है। निराश हो चुकी है इसलिए बेबुनियाद बातें करते हुए आंदोलन करके जनता की असुविधाएं बढ़ा रहे हैं और झूठ की दुकान सजा रहे थे। उन्होंने कहा कि शराबबंदी का वादा पूरा नहीं हुआ, 10 लाख लोगों को बेरोजगारी भत्ता देने कहा था, मुट्ठी भर लोगों को देना तब शुरू किया, जब भाजपा ने दबाव बनाया। बुजुर्गों को पेंशन नहीं दी। कितना झूठ बोलेंगे? धान खरीदी के विषय में एक तरफ केंद्र सरकार को पत्र लिखते हैं और कहते हैं कि राज्य सरकार धान खरीदी करती है। जिस प्रकार की भाषा भूपेश बघेल बोल रहे हैं, यह प्रमाण है कि वह बहुत बदहवास हालत में हैं क्योंकि उनकी सरकार वापस आने की कोई उम्मीद नहीं है। धान घोटाला करने के लिए कोशिश करते हैं।कहते कुछ हैं करते कुछ हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री संघीय व्यवस्था पर आघात करते हैं। जब देश के प्रधानमंत्री यहां आते हैं तो उनके ही उपमुख्यमंत्री उनकी तारीफ करते हैं और वह कहते हैं कि दोनों हाथों से प्रधानमंत्री जी देते हैं। अब या तो मुख्यमंत्री झूठ बोल रहे हैं और उपमुख्यमंत्री सच बोल रहे हैं। यह विषय मैं पहले भी उठा चुकी हूं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.